■ वैशाख कृष्ण - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 20 ■ अंक - 266 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शुक्रवार » 25-04-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पहलगाम हमला पाकिस्तान की साजिश : कांग्रेस

6 आतंकवाद का कब होगा समूल सफाया?

7 मां का प्रेम सीमाओं से परे होता है : सायली सालुंखे

फर्स्ट टेक

भारतीय नौसेना के युद्धपोत ने सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना के मिसाइल विध्वंसक पोत 'आईएनएस सूरत' ने मध्यम दूरी तक सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल का सफल परीक्षण किया। बताया जा रहा है कि इस मिसाइल की मारक क्षमता करीब 70 किलोमीटर है। नौसेना ने कहा, ''भारतीय नौसेना के नवीनतम स्वदेशी मिसाइल विध्वंसक पोत 'आईएनएस सूरत' ने समुद्र में स्थित एक लक्ष्य पर सफलतापूर्वक सटीक हमला किया, जो नौसेना की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।'' इसने कहा, ''यह उपलब्धि स्वदेशी युद्धपोत डिजाइन, विकास और संचालन में भारत की बढ़ती ताकत को दर्शाती है और रक्षा विनिर्माण में आत्मनिर्भरता के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।'' नौसेना ने कहा कि यह ''मील का पत्थर'' राष्ट्र के समुद्री हितों की रक्षा के लिए बल की ''अटूट प्रतिबद्धता'' का सबूत है।

धनशोधन मामले में राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी गिरफ्तार

नई दिल्ली/जयपुर/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जल जीवन मिशन योजना में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले में कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मंत्री महेश जोशी को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संघीय जांच एजेंसी ने धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जोशी को जयपुर में हिरासत में लिया। ईडी का कथित धनशोधन मामला राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा जल जीवन मिशन योजना के संबंध में दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है।

चीन ने तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को अपने स्पेस स्टेशन में भेजा

बीजिंग/भाषा। चीन ने तीन नए अंतरिक्ष यात्रियों को बृहस्पतिवार को अपने स्पेस स्टेशन भेजा है, जो वहां बीते छह महीने से मौजूद अंतरिक्ष यात्रियों की जगह लेंगे। सरकारी टेलीविजन सीजीटीएन पर अंतरिक्ष यात्रियों को स्टेशन पर भेजे जाने का सीधा प्रसारण किया गया। चीन के जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शाम 5:17 बजे (बीजिंग समयानुसार) शेनझोउ-20 यान यात्रियों को लेकर रवाना हुआ। अंतरिक्ष यान में तीन अंतरिक्ष यात्री चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जी सवार हैं।

25-04-2025 सूर्यास्त 6:33 बजे	26-04-2025 सूर्योदय 6:01 बजे

BSE	NSE
79,801.43	24,246.70
(-315.06)	(-82.25)

सोना	चांदी
10,126 रु.	98,332 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

हत्यारे आतंकी

धर्म के अंधों तजो क्रूरता,
कृत्यों को तुम नर्म करो।
हो मनुष्य तो मानवता के,
हित में अपने कर्म करो।
सच्चा है गर धर्म तुम्हारा,
तो सचमुच में धर्म करो।
बने दरिंदे निर्दोषों पर,
हत्यारों कुछ शर्म करो।।

सरकार ने सर्वदलीय बैठक में कहा

पहलगाम हमला माहौल बिगाड़ने के लिए किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ बैठक के बाद सभी नेताओं ने पहलगाम हमले के दोषियों के खिलाफ सरकार की किसी भी कार्रवाई को अपना पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया।

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने बृहस्पतिवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में कहा कि पहलगाम हमला माहौल खराब करने के लिए उस समय किया गया जब जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही थी और पर्यटन फलफूल रहा था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने संवाददाताओं को बताया कि सभी दलों ने कहा कि वे सरकार के साथ हैं और आतंकवाद के खिलाफ हैं।

रीजीजू ने कहा कि पार्टी नेताओं को खुफिया ब्यूरो (आईबी) और केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारियों ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बैठक में मौजूद गृह मंत्री अमित शाह ने अधिकारियों द्वारा सांसदों को जानकारी दिए जाने के दौरान जहां भी आवश्यक हुआ, हस्तक्षेप किया। रीजीजू ने कहा कि सरकार ने नेताओं को आतंकवाद और उनके समर्थकों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

बैठक के बाद सूत्रों ने बताया कि पहलगाम में सैनिक मौजूद थे, लेकिन उन्हें तैनात नहीं किया गया, क्योंकि स्थानीय अधिकारियों को पर्यटकों को बैसरन ले जाए जाने के बारे में जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि टूर ऑपरेटरों और स्थानीय होटल मालिकों ने पर्यटकों की आवाजाही के बारे में अधिकारियों को सूचित नहीं किया। सूत्रों ने बताया कि विपक्षी सांसदों ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं, लेकिन बैठक में कोई ''तीखी बहस'' नहीं हुई।

सर्वदलीय बैठक में विभिन्न दलों के नेताओं ने सरकार को भरोसा दिलाया कि वे आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने और आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में पूरी तरह से उसके साथ हैं। हालांकि, नेताओं ने जम्मू-कश्मीर के इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर सुरक्षा चूक का मुद्दा भी उठाया। बैठक में सरकार ने कहा कि वह सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठा रही है। उसने कहा कि यह हमला ऐसे समय में माहौल खराब करने के लिए किया गया है, जब जम्मू-कश्मीर में अर्थव्यवस्था की स्थिति में सुधार हो रहा है और पर्यटन जोर पकड़ रहा है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के हमले

कम से कम नौ लोगों की मौत और 70 से अधिक घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस के हमले में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई और 70 से अधिक लोग घायल हो गए हैं, जिसके बाद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह दक्षिण अफ्रीका की अपनी आधिकारिक यात्रा को बीच में ही रोककर स्वदेश लौट रहे हैं। ज़ेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच टेलीग्राम पर एक पोस्ट में कहा कि वह दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा से मुलाकात के बाद कीव वापस लौट आयेंगे।

यूक्रेनी नेता को आशा थी कि रूस के साथ अपने देश के युद्ध को समाप्त करने के प्रयासों में उन्हें दक्षिण अफ्रीका से और अधिक समर्थन प्राप्त होगा।

कीव पर हमला ऐसे समय में हुआ जब युद्ध विराम ठप्प होता दिख रहा था।

ट्रंप ने पुतिन से 'रुकने' को कहा

वाशिंगटन/एपी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को व्लादिमीर पुतिन की आलोचना करते हुए यूक्रेन की राजधानी कीव पर घातक हमलों के बाद रूसी नेता से रुकने (हमले रोकने) का आग्रह किया। ट्रंप ने अपने 'ट्रुथ' सोशल मंच पर एक पोस्ट में कहा, मैं कीव पर रूसी हमलों से खुश नहीं हूं। यह जरूरी नहीं था और इसका समय भी बहुत खराब था। व्लादिमीर, रुक जाइये! हर हफ्ते 5000 सैनिक मर रहे हैं। आइये शांति समझौता करें!

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ज़ेलेंस्की पर निशाना साधते हुए कहा कि वह संभावित युद्ध विराम के तहत क्रीमिया को रूस को सौंपने से पीछे हटकर युद्ध को लंबा खींच रहे हैं। जेलेंस्की ने कई बार कहा है कि कब्जे वाले क्षेत्र को रूसी क्षेत्र के रूप में मान्यता देना उनके देश के लिए खतरे का संकेत है।

अब आतंकियों की 'बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने' का समय आ गया है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पहलगाम हमले के आतंकियों और इसकी साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी

मधुबनी (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल सभी आतंकवादियों और इसकी साजिश रचने वालों को ''उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा देने'' का संकल्प जताते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अब आतंकियों की ''बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने'' का समय आ गया है।

मोदी ने यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमला सिर्फ निहत्थे पर्यटकों पर नहीं हुआ है बल्कि देश के दुश्मनों ने भारत की आत्मा पर हमला करने का दुस्साहस किया है। उन्होंने अपने भाषण में कुछ बातें अंग्रेजी में भी कहीं, जिसमें उन्होंने कहा, ''मित्रों, आज मैं बिहार की धरती से पूरी दुनिया को बता देना चाहता हूं कि भारत एक एक आतंकवादी और उनके आकाओं की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें सजा देगा। हम धरती के आखिरी छोर तक उनका (पहलगाम के हमलावरों का) पीछा करेंगे। आतंकवाद कभी भारत का मनोबल नहीं तोड़ पाएगा।''

मंगलवार को पहलगाम के बैरसन में आतंकी हमले में कम से कम 26 लोग मारे गए जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। इस हमले के बाद यह प्रधानमंत्री मोदी का पहला सार्वजनिक बयान है।

मारे गए लोगों में बिहार के मूल निवासी मनीष रंजन भी थे जो हैदराबाद में आसूचना ब्यूरो (आईबी) में 'सेक्शन ऑफिसर' के रूप में पदस्थ थे। मूल रूप से बिहार के रोहतास जिले के निवासी मनीष का परिवार अब पश्चिम बंगाल के झालदा में रहता है।

प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर उसे दिए एक संदेश में कहा, '' मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं जिन्होंने ये हमला किया है, उन आतंकियों को और इस हमले की साजिश रचने वालों को उनकी कल्पना से भी बड़ी सजा मिलेगी..सजा मिलकर रहेगी।''

मोदी ने कहा, '' अब आतंकियों की बची खुची जमीन को भी मिट्टी में मिलाने का समय आ गया है।''

जम्मू कश्मीर के उधमपुर में मुठभेड़ में जवान शहीद

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के उधमपुर जिले में बृहस्पतिवार को एक तलाशी अभियान के बाद सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में सेना के विशेष बलों का एक जवान शहीद हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान डुडु-बसंतगढ़ इलाके में गोलीबारी हुई। व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर कहा, ''विशिष्ट खुफिया सूचना के आधार पर आज उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में जम्मू कश्मीर पुलिस के साथ एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया।''

मुलाकात

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को यहां राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। यह बैठक जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर हुई। इस हमले में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। राष्ट्रपति भवन ने बैठक की एक तस्वीर साझा करते हुए 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की।''

पहलगाम की घटना ने साबित कर दिया है कि आतंकवाद का धर्म होता है : स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। ज्योतिष्पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बृहस्पतिवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले ने प्रमाणित कर दिया है कि आतंकवाद का धर्म होता है।

पहलगाम में 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से मशहूर पर्यटन स्थल बैसरन में हुए हमले में 26 लोगों की मौत हो गई है। उन्होंने यहां 'पीटीआई वीडियो' से बातचीत में यह भी कहा कि पहलगाम में लोगों की हत्या ही नहीं है बल्कि यह भारत राष्ट्र को चुनौती है। उन्होंने कहा, ''यह हम सब 80-90 करोड़ हिन्दुओं को चुनौती है। और ये पूरे विश्व को चुनौती है कि देखो कि हम निशाना बनाकर तुम्हारा कैसे अपमान करते हैं। यह पूरे देश का अपमान है।'' शंकराचार्य ने कहा कि पहलगाम की घटना सामान्य नहीं है। उन्होंने कहा, ''पहली बात तो ये है कि हमारे देश के बड़े-बड़े नेता समय-समय पर कहते रहते हैं कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता। नेतागण, बोलने से पहले अब सोचिए...घटना ने प्रमाणित कर दिया कि आतंकवाद का धर्म होता है।'' उन्होंने कहा कि तभी तो लोगों का धर्म पूछकर उन्हें मार दिया गया, किसी एक धर्म विशेष का होने के कारण उनकी हत्या की गई। उन्होंने कहा, ''जिन्होंने जान बचाने के लिए कहा कि वे इस धर्म के नहीं हैं, उनके कपड़े उतरवाकर उनका खतना देखा गया। और फिर गोली मारी गई। इसका एक मतलब तो साफ है और यह सिद्ध हो गया कि आतंकवाद का धर्म होता है।''

शंकराचार्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि नोटबंदी और अनुच्छेद 370 हट जाने से आतंकवाद समाप्त हो जाएगा, इसके बावजूद पहलगाम की घटना हुई है तो यह किसकी असफलता है। उन्होंने कहा, ''मोदी जो को आगे आकर जवाब तो देना चाहिए कि कौन विफल रहा है।''

पाकिस्तान ने शिमला समझौते को स्थगित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ पाकिस्तान ने अन्य द्विपक्षीय समझौतों को भी स्थगित कर दिया, सभी प्रकार के व्यापार पर भी रोक लगा दी और भारतीय एयरलाइन के लिए भी अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया।

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को भारत के साथ शिमला समझौते और अन्य द्विपक्षीय समझौतों को स्थगित कर दिया, सभी प्रकार के व्यापार पर रोक लगा दी और भारतीय एयरलाइन के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया। इसके साथ ही उसने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत उसके लिए निर्धारित पानी के प्रवाह को रोकने या परिवर्तित करने का कोई भी प्रयास युद्ध छेड़ने के समान माना जाएगा।

पाकिस्तान ने वाघा सीमा चौकी को भी बंद कर दिया, दक्षेस वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत भारतीय नागरिकों को जारी सभी वीजा भी निलंबित कर दिए हैं तथा भारतीय उच्चायोग में सैन्य सलाहकारों को वापस जाने को कहा। ये घोषणाएं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद की गईं। शरीफ ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने और राजनयिक संबंधों को कमतर करने के भारत के कदमों पर उचित प्रतिक्रिया के संबंध में विचार के लिए सरकार के प्रमुख मंत्रियों और तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की।

सिंधु जल संधि के तहत पानी रोकना युद्ध छेड़ने के समान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को मिलने वाले पानी के प्रवाह को रोकने या परिवर्तित करने का कोई भी प्रयास युद्ध छेड़ने के समान माना जाएगा। इसके साथ ही उसने पहलगाम हमले के मद्देनजर देश के खिलाफ नई दिल्ली की ओर से उठाए गए कदमों के जवाब में भारत के साथ व्यापार, शिमला समझौते समेत द्विपक्षीय समझौतों को स्थगित करने और हवाई क्षेत्रों को बंद करने की घोषणा की।

ये घोषणाएं प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में हुई बैठक के बाद की गईं। शरीफ ने पहलगाम हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने और राजनयिक संबंधों को कमतर करने के भारत के कदमों पर उचित प्रतिक्रिया के संबंध में विचार करने के लिए सरकार के प्रमुख मंत्रियों और तीनों सेना प्रमुखों के साथ बैठक की। राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक के बाद जारी एक बयान में कहा गया है, ''पाकिस्तान भारत के साथ सभी द्विपक्षीय समझौतों को स्थगित रखने के अधिकार का प्रयोग करेगा, जिसमें शिमला समझौता भी शामिल है।''

भारत ने मंगलवार को पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान जाने के बाद बुधवार को 1960 की सिंधु जल संधि को निलंबित कर दिया था और पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को कमतर करने की घोषणा की थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बिहार में एक जनसभा में कहा कि भारत पहलगाम हमले में शामिल एक एक आतंकवादी और उनके आकाओं की पहचान करेगा, उनका पता लगाएगा और उन्हें सजा देगा।

हिंदुओं को जारी दीर्घकालिक वीजा छोड़ सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बृहस्पतिवार को 27 अप्रैल से पाकिस्तानी नागरिकों को जारी सभी वीजा रद्द करने की घोषणा की और पाकिस्तान में रहने वाले भारतीय नागरिकों को यथाशीघ्र स्वदेश लौटने की सलाह दी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले को लेकर दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ने के बीच भारत ने यह कदम उठाया। विदेश मंत्रालय ने साथ ही स्पष्ट किया कि वीजा रद्द करने का निर्णय हिंदू पाकिस्तानी नागरिकों को पहले से जारी दीर्घकालिक वीजा पर लागू नहीं होगा और उनके वीजा 'वैध रहेंगे'। नई दिल्ली ने भारत में नागरिकों पर हुए सबसे जघन्य आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों पर जवाबी कार्रवाई के तहत पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की भी घोषणा की।

इस्तांबुल में भूकंप के तेज झटके, लोगों ने घरों के बाहर बिताई रात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्तांबुल/एपी। तुर्किये के इस्तांबुल शहर में बुधवार को आए शक्तिशाली भूकंप और उसके बाद महसूस किए गए 180 से अधिक झटकों से डरे लोगों ने पूरी रात घरों के बाहर बिताई। स्थानीय मीडिया की खबरों के मुताबिक, 6.2 तीव्रता के भूकंप से जान-माल का कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन इस्तांबुल में हाल के वर्षों में महसूस किए गए सबसे तीव्र झटकों से शहर के लगभग 1.6 करोड़ निवासियों के बीच दहशत फैल गई और वे अधिक विनाशकारी भूकंप आने की आशंका से घिरे रहे। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र इस्तांबुल से लगभग 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में मरमारा सागर में 10 किलोमीटर की गहराई में था। इसके झटके इस्तांबुल के कई पड़ोसी प्रांतों में भी महसूस किए गए।

श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

शिव्वमोगा में गुरुवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए शिव्वमोगा निवासी मंजुनाथ राव को श्रद्धांजलि देते हुए केन्द्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, सांसद राघवेन्द्र येडीयुरप्पा एवं अन्य। गुरुवार को मंजुनाथ राव को पूरे विधि विधान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया।

बिना सुनवाई के लंबे समय तक जेल में रखने के बाद सजा नहीं दी जा सकती: न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिना सुनवाई के लंबे समय तक आरोपी को जेल में रखने पर आपत्ति जताते हुए उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिना सुनवाई के ही सजा की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही न्यायालय ने मादक पदार्थ से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार आरोपी को जमानत दे दी।

न्यायामूर्ति बी.आर. गवई और न्यायामूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता पांच साल से अधिक समय से जेल में बंद है और 2019 में दर्ज मामले में अब तक सुनवाई शुरू नहीं हुई है। सरकारी वकील ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि मामले में सह-आरोपी को जमानत पर रिहा किया गया था लेकिन वह अदालती कार्यवाही में पेश नहीं हो रहा है। पीठ ने कहा कि इस अदालत ने कई मामलों में व्यवस्था दी है कि बिना सुनवाई के लंबे समय तक जेल में रखना, बिना सुनवाई के सजा के समान है जिसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। सर्वोच्च अदालत पिछले साल मार्च में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा पारित उस आदेश के खिलाफ आरोपी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। मामले में सह-आरोपी के अदालत में पेश नहीं होने की दलील पर पीठ ने कहा कि राज्य हमेशा जमानत रद्द करने के लिए कदम उठाने की खातिर स्वतंत्र है। हालांकि, याचिकाकर्ता को केवल इस आधार पर दंडित नहीं किया जा सकता कि सह-आरोपी अदालत में पेश नहीं हो रहा है।

पीठ ने याचिकाकर्ता को ग्रेटर नोएडा में दर्ज मामले में अधीनस्थ अदालत द्वारा लगाई गई शर्तों पर जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया। आरोपी को जनवरी 2019 में स्वापक औषधि और मनः प्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। उच्च न्यायालय में आरोपी ने दावा किया कि उसे वहां से गिरफ्तार नहीं किया गया था, जहां से कथित तौर पर 150 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था।

पहलगाम हमले के खिलाफ घाटी में कार्यरत कश्मीरी पंडित कर्मचारियों ने मौन धरना दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। कश्मीर घाटी में तैनात कश्मीरी पंडित कर्मचारियों के एक समूह ने पहलगाम हमले के खिलाफ बृहस्पतिवार को मौन धरना दिया। उन्होंने कहा कि इस तरह की हत्याएं स्वीकार्य नहीं हैं।

प्रधानमंत्री पैकेज के तहत रोजगार पाने वाले समुदाय के सदस्यों ने सरकार से उनकी सुरक्षा के बारे में भी विचार करने का आग्रह किया। मौन प्रदर्शन में शामिल कर्मचारियों में से एक अमित कौल ने संवाददाताओं से कहा, ''हम, पीएम पैकेज के कर्मचारी, पहलगाम हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए पूरी घाटी से आए हैं। हम यहां हत्याओं की निंदा करने आए हैं। हम कहना चाहते हैं कि ऐसी हत्याएं स्वीकार्य नहीं हैं। हम यहां न्याय मांगने भी आए हैं।'' उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से कश्मीर में स्थिति शांतिपूर्ण थी, लेकिन पहलगाम हत्याकांड ने पूरी घाटी को अशांत कर दिया है।

कौल ने कहा, ''हम कर्मचारी भी परेशान हैं। हम कहना चाहते हैं कि अगर कुछ दिनों के लिए यहां आनंद लेने आए पर्यटक सुरक्षित नहीं हैं, तो यहां काम करने वाले अल्पसंख्यक कर्मचारी कैसे सुरक्षित हैं। यह हमारा मुद्दा है, यह हमारी सुरक्षा का मामला है।''

कर्मचारियों ने कहा कि वे अपनी सुरक्षा से जुड़े 'कुछ बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए' श्रीनगर के उपायुक्त और कश्मीर के संभागीय आयुक्त के कार्यालयों तक मार्च करेंगे।

एक अन्य कर्मचारी विकास हांडू ने कहा, ''हम कुछ बिंदुओं को उजागर करना चाहते हैं, जिन्हें हम नियमित रूप से सरकार के संज्ञान में लाते रहे हैं। यह हमारी मांग के साथ-साथ हमारी जरूरत भी है कि हमे सुरक्षा प्रदान की जाए। ...सरकार ने इस बारे में क्या सोचा है?''

व्यापार विवादों को हल करने के लिए 'तत्परता से' कदम उठाएं देश: मुद्राकोष प्रमुख

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/एपी। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) की प्रमुख क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने बृहस्पतिवार को देशों से वैश्विक आर्थिक वृद्धि को खतरा पहुंचाने वाले व्यापार विवाद हल करने के लिए 'तत्परता से' कदम उठाने का आग्रह किया।

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक जॉर्जीवा ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विदेशी आयात पर उच्च शुल्क लगाने के आक्रामक अभियान से उपजी अनिश्चितता के कारण कंपनियां निवेश में देरी कर रही हैं और उपभोक्ता भी खर्च से परहेज कर रहे हैं। आईएमएफ एवं सहयोगी संस्था विश्व बैंक की बैठकों के दौरान बृहस्पतिवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में जॉर्जीवा ने कहा, ''अनिश्चितता व्यापार के लिए सही नहीं है।'' मुद्राकोष के इस वर्ष विश्व आर्थिक वृद्धि का पूर्वानुमान कम करने के दो दिन बाद जॉर्जीवा ने यह टिप्पणी की है। आईएमएफ ने अमेरिका के लिए भी अपने पूर्वानुमान को घटाया है। आईएमएफ 191 देशों को ऋण मुहैया कराता है। मुद्राकोष वैश्विक वृद्धि, वित्तीय स्थिरता को बढ़ावा देने और गरीबी को कम करने का प्रयास करता है। इसने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के मंदी में फंसने की आशंका 25 प्रतिशत से बढ़कर करीब 40 प्रतिशत हो गई है।

जॉर्जीवा ने आगाह किया कि व्यापार संघर्ष से सबसे अधिक गरीब देशों को आर्थिक नुकसान होगा जिनके पास इसकी भरपाई के लिए पैसा नहीं है। ट्रंप ने जनवरी में सत्ता में लौटने के बाद से ही व्यापक स्तर पर शुल्क दरों में बढ़ोतरी की है। चीन पर उन्होंने 145 प्रतिशत आयात शुल्क लगाया है जबकि अन्य देशों में 10 प्रतिशत का मूल शुल्क जारी है।

भारत अपने डिजिटल सफर के महत्वपूर्ण पड़ाव पर: एचपी इंडिया प्रबंध निदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लैपटॉप बनाने वाली प्रमुख कंपनी एचपी की भारत में वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (एमडी) इप्सिता दास गुप्ता ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत अपने डिजिटल सफर के महत्वपूर्ण पड़ाव पर है, जहां कृत्रिम मेधा (एआई), क्लाउड और कनेक्टिविटी से हमारे सीखने और काम करने का तरीका निर्धारित होता है।

यहां आयोजित एक कार्यक्रम में गुप्ता ने कहा, ''भारत अपने डिजिटल सफर के बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव है, जहां एआई, क्लाउड और कनेक्टिविटी से यह निर्धारित हो रहा है कि हम कैसे जीते हैं, सीखते हैं और काम करते हैं। दुनिया के सबसे बड़े डेवलपर बेस और तेजी से बढ़ते उपयोगकर्ता तंत्र के साथ भारत एआई क्रांति का नेतृत्व करने की स्थिति में है। कृत्रिम मेधा से लैस लैपटॉप पेश किये जाने के मौके पर उन्होंने कहा, एचपी में हम इसे सार्थक नवोन्मेष करने, उत्पादकता बढ़ाने और वित्तीय सेवा एवं खुदरा से लेकर स्वास्थ्य एवं शिक्षा तक विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक अवसरों को सक्षम बनाने के महत्वपूर्ण पल के रूप में देख रहे हैं। इससे भविष्य में काम करने के तरीके की परिभाषा बदलेगी। कंपनी ने बताया कि सोशल मीडिया पर 'क्रिएटर्स', फ्रीलांसर्स (स्वतंत्र कार्य करने वाले) और रोजाना के उपयोगकर्ताओं के लिए बनाई गई विभिन्न शृंखलाओं में एआई से लैस कई विशेषताएं हैं। एचपी इंडिया के वरिष्ठ निदेशक (पर्सनल सिस्टम्स) विनीत गेहानी ने कहा, भारत विविधता से पूर्ण और गतिशील बाजार है, जहां लोग ऐसी प्रौद्योगिकी चाहते हैं, जो शक्तिशाली भी हो और आसान पहुंच में भी हो। एचपी के एआई से लैसे अगली पीढ़ी के पीसी (पर्सनल कंप्यूटर) के अब तक के सबसे बड़े पोर्टफोलियो के साथ हमारे पास सभी के लिए कुछ न कुछ है।

उद्घाटन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को चामराजनगर जिले के मलाई महादेश्वर पहाड़ी पर नवनिर्मित वज्रमाले भवन का उद्घाटन मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया।

भारत अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता, सुरक्षा से समझौता नहीं करेगा : खट्टर

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत सार्वभौमिक भाईचारे की बात करता है, लेकिन जब बात अपनी स्वतंत्रता, संप्रभुता और सुरक्षा की हो तो वह कोई समझौता नहीं करेगा।

खट्टर ने यह बात यहां 'स्वदेशी शोध संस्थान' द्वारा आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कही। उनकी यह टिप्पणी जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में आई है। हमले में 26 लोग मारे गए हैं और कई घायल हुए हैं। मंत्री ने आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, ''अगर दुनिया के पास परमाणु हथियार हैं, तो हम भी पीछे नहीं हैं। हम 'विश्व बंधुत्व' की बात करते हैं, लेकिन जैसा कि आम बोलचाल में कहा जाता है, 'हम किसी को छेड़ेंगे नहीं, लेकिन कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे नहीं'।''

मुकेश अंबानी ने पहलगाम हमले में घायलों के मुफ्त इलाज की पेशकश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उद्योगपति मुकेश अंबानी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए बर्बर आतंकवादी हमले में घायल हुए लोगों के लिए बृहस्पतिवार को मुफ्त इलाज की पेशकश की। उन्होंने कहा कि आतंकवाद मानवता का दुश्मन है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अंबानी ने एक बयान में कहा कि सभी घायलों को मुंबई में रिलायंस फाउंडेशन सर एचएन अस्पताल में मुफ्त इलाज की पेशकश की जाएगी। कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। इस हमले में लगभग 20 अन्य घायल हो गए हैं। अंबानी ने कहा, मैं रिलायंस परिवार के सभी सदस्यों के साथ 22 अप्रैल, 2025 को पहलगाम में हुए बर्बर आतंकवादी हमले में निर्दोष भारतीयों की मृत्यु पर शोक व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, हम पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हुए उन्होंने कहा, मुंबई में हमारा रिलायंस फाउंडेशन सर एचएन अस्पताल सभी घायलों को मुफ्त उपचार प्रदान करेगा। अंबानी ने कहा कि आतंकवाद 'मानवता का दुश्मन' है।

पहलगाम हमला: शिवसेना (उबाठा) ने खुफिया नाकामी पर सवाल उठाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। शिवसेना (उबाठा) ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले को लेकर खुफिया विफलता और जवाबदेही पर सवाल उठाए। पार्टी ने इस भयावह घटना को लेकर सरकार की किसी भी कड़ी प्रतिक्रिया का समर्थन करने की पेशकश की। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में कम से कम 26 आम नागरिक मारे गए, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

पार्टी नेता अरविंद सावंत ने हमले पर सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक से पहले संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू को पत्र लिखकर सूचित किया कि वह और संजय राउत बैठक में शामिल होने में असमर्थ हैं। राउत पार्टी के राज्यसभा सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि संसदीय समितियों के सदस्य के रूप में दोनों आधिकारिक दौरे पर हैं। लोकसभा में पार्टी के नेता सावंत ने रीजीजू को लिखे पत्र का मूल पाठ साझा किया और बाद में उसका संशोधित संस्करण भी उपलब्ध कराया।

उन्होंने कहा, ''यह भी बता दें कि खुफिया विफलताओं तथा हमला क्यों और कैसे हुआ, इसे लेकर सवाल उठेंगे। अगर सरकार देश पर हुए इस बर्बर और कायरतापूर्ण हमले का कोई भी कड़ा जवाब देती है तो हम इस बैठक को अपना समर्थन देने के माध्यम के रूप में देखते हैं।''

उन्होंने कहा, ''जवाबदेही का सवाल भी है, इस बैठक के लिए नहीं बल्कि इसके तुरंत बाद, उसी देशभक्ति की भावना से उपजा है जो हमें एक साथ बांधती है, जो हमारे देश की बेहतर सेवा करने की चाहत रखती है।''

मुंबई दक्षिण के सांसद ने जोर देकर कहा कि वे एकजुट हैं और उम्मीद है कि सरकार, पूरे देश की ओर से, ''आतंकवादियों और उन्हें शरण देने वालों को इतनी क्रूर और कड़ी प्रतिक्रिया देगी'' कि वे भारत के नागरिकों को छूने के बारे में कभी नहीं सोचेंगे। उन्होंने रीजीजू से आग्रह किया कि वह उन्हें और राउत को वीडियो लिंक के माध्यम से बैठक में शामिल होने की अनुमति दें। क्षेत्रीय पार्टी विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन का हिस्सा है।

आप स्वयं की सुरक्षा नहीं करेंगे तो केवल नियम आपको नहीं बचा सकते: बीएसई सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। बीएसई के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदररमण राममूर्ति ने निवेशकों में जागरूकता तथा जिम्मेदारी की जरूरत का उल्लेख करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अगर निवेशक निवेश करते समय पर्याप्त सावधानी नहीं बरतते हैं तो केवल नियम उनकी रक्षा नहीं कर पाएंगे।

राममूर्ति ने निवेशकों से सतर्क व नवीन सूचनाओं के बारे में जानकारी रखने का आग्रह किया और कहा कि यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आपको समस्या होगी। उन्होंने निवेशकों की उचित जांच-पड़ताल के बजाय सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करने की प्रवृत्ति की भी आलोचना की। राममूर्ति ने कहा, ''आप सब्जी खरीदने से पहले उसे अच्छी तरह जांचते हैं, लेकिन जब आप अपनी जिंदगी की कमाई निवेश करते हैं, तो सुनी-सुनाई बातों पर भरोसा करते हैं...ऐसा नहीं होना चाहिए।'' नियामक अपेक्षाओं के बारे में बीएसई प्रमुख ने कहा कि आम धारणा यह है कि जब निवेशक पैसा खो देते हैं तो नियामकों को दोषी ठहराया जाता है, लेकिन जब बाजार अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो वही लोग अपने ज्ञान का बखान करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा, ''यदि आप स्वयं को सुरक्षित नहीं रखना चाहते, तो कोई भी नियम आपको नहीं बचा सकता। सतर्क रहें।'' कलकत्ता चैंबर ऑफ कॉमर्स में खुदरा निवेशकों की भागीदारी के मुद्दे पर बात करते हुए राममूर्ति ने सलाह दी कि छोटे निवेशक जो बाजार विशेषज्ञ नहीं हैं, उन्हें म्यूचुअल फंड का रास्ता चुनना चाहिए और उन्हें 'थीमैटिक फंड' से बचना चाहिए...उन्हें म्यूचुअल फंड या लार्ज-कैप फंड चुनना चाहिए। उन्होंने कह कि महिलाओं और युवाओं को अपने करियर की शुरुआत में ही निवेश शुरू करना चाहिए। भारत के लघु एवं मझोले उद्यम क्षेत्र की संभावनाओं का जिक्र करते हुए बीएसई के सीईओ ने कहा कि इस क्षेत्र की केवल 40 कंपनियां ही वर्तमान में शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हैं, जबकि वास्तविक संभावना 1,000 से अधिक हो सकती है। उन्होंने लघु एवं मध्यम उद्यमों से आग्रह किया कि वे धन जुटाने और अपने व्यवसाय को बढ़ाने तथा अपनी क्षमता को दुनिया के सामने लाने के लिए बाजार में सूचीबद्ध होने के व्यवहारिक मार्ग पर विचार करें। एसएमई सूचीबद्धता में संभावित हेरफेर पर किए सवाल पर राममूर्ति ने स्वीकार किया कि 'पंप-एंड-डंप' योजनाओं जैसे धोखाधड़ी को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है, भले ही नियामक और बाजार सतर्क हों।

बीजापुर आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड

दूसरी मंजिल, नोवस टॉवर, प्लॉट नंबर 18, सेक्टर -18, गुरुग्राम, हरियाणा -122015
सीआईएन : U42201DL2024PLC433535

सार्वजनिक सूचना

बीजापुर आरईजेड ट्रांसमिशन लिमिटेड एक कंपनी है जिसका पंजीकृत कार्यालय फ्लैट नंबर 1097, सेक्टर ए, पॉकेट ए, वसंत कुंज, नई दिल्ली, भारत- 110070 में है, जो भारत सरकार को विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत बिजली के पारेषण के लिए विद्युत लाइनों को रखने या टेलीफोन या टेलीग्राफिक संचार के उचित समन्वय के लिए आवश्यक सभी शक्तियों को प्रदान करने के लिए आवेदन करने का इरादा रखती है। वे कार्य जो टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास भारत तार अधिनियम, 1885 के तहत सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित टेलीग्राफ के उद्देश्य से टेलीग्राफ लाइनों और पोस्टों को रखने के संबंध में हैं या इस प्रकार स्थापित या बनाए रखा जाना है और सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, निर्माण और अन्य कार्यों को शुरू करने के बाद किया जाएगा, निम्नलिखित पारेषण स्कीमों के लिए प्रचालन, अनुरक्षण और अन्य कार्य।

पारेषण योजना का नाम : बीजापुर आरईजेड के एकीकरण के लिए पारेषण योजना कर्नाटक में योजना के अंतर्गत शामिल कार्य :

क्र.सं.	पारेषण योजना का दायरा	प्रभावी तिथि से महीनों में अनुसूचित सीओडी
1.	बीजापुर (विजयापुर), कर्नाटक के पास 400/220 केवी, 5x500 एमवीए पूलिंग स्टेशन की स्थापना • 400/220 केवी, 500 एमवीए, आईसीटी – 5 नग • 400 केवी आईसीटी बे – 5 नग • 220 केवी आईसीटी बे – 5 नग • 400 केवी लाइन बे – 2 नग (बीजापुर पीएस – रायचूर नया लाइन की समाप्ति के लिए बीजापुर पीएस पर) • 220 केवी लाइन बे – 10 नग • 220 केवी सेक्शनलाइज़र : 1 सेट • 220 केवी बस कपलर (बीसी) बे – 2 नग • 220 केवी ट्रांसफर बस कपलर (टीबीसी) बे – 2 नग भविष्य के प्रावधान के लिए स्थान • 400/220 केवी, 500 एमवीए, आईसीटी – 5 नग • 400 केवी आईसीटी बे – 5 नग • 220 केवी आईसीटी बे – 5 नग • 400 केवी लाइन बे – 6 नग (एसएलआर के प्रावधान के साथ) • 220 केवी लाइन बे – 14 नग • 220 केवी सेक्शनलाइज़र: 2 सेट • 220 केवी बस कपलर (बीसी) बे – 2 नग • 220 केवी ट्रांसफर बस कपलर (टीबीसी) बे – 2 नग	24 महीने SPV से हस्तांतरण
2.	बीजापुर पीएस – रायचूर नया 400 केवी (क्वाड एसीएसआर मूस) डी/सी लाइन • 400 केवी लाइन बे – 2 नग (रायचूर नया में)	
3.	बीजापुर पीएस में 2x125 एमवीएआर 420 केवी बस रिएक्टर • 420 केवी, 125 एमवीएआर बस रिएक्टर-2 नग • 420 केवी, 125 एमवीएआर बस रिएक्टर बे – 2 नग	

स्कीम के अंतर्गत कवर की गई पारेषण लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों के बीच, ऊपर, आसपास और बीच से गुजरेगी :

क्र.सं.	गाँवों के नाम	तहसील/तालुका	जिला	राज्य
1.	जलावाड़, कोरवार, केरूतगी, तिलगुला, कुदरगुंडा, हुनशीहल	देवर हिप्परगी	बीजापुर (विजयपुरा)	कर्नाटक
2.	हंडिगनूर, तिरुपतिनगर	सिंदगी		
3.	कालकेरी, रामापुर, बेकिनाल, वनकीहाल, तुरकनगोड़ी, बुढीहल	तालिकोटी		
4.	हिरी मदनूर, चिक्का मदनूर, हैंड्राल, दसामाईनगर, रामापुर, शखापुर, टेग्गीहल्ली, कुडलगी, बेचबल, कनाहल्ली	हूनसगी	यादगीर	
5.	मुनीर बोम्मनाहल्ली, यक्तापुर, अलाहल, तालहल्ली, काचापुर, मलाकापुर, ऐनापुर, कचाकनूर, कुरबटनहल्ली, हल अम्मापुर, चिक्कनहल्ली, बोनाल, मंगिहाल, अम्मापुर, वागिनगेरा, तलवारगेरा, मंगिहाल, कावडीमुट्ठी, हविनहाल, कागराल, गुडिहाल, शेल्लगी, मुश्तिहल्ली, बेविनहाल, चंदनापुर, अदवडगी, एम्मडगी, सुगूर	शोरापुर		
6.	बागूर, येरंडी, नलावंजी, कारेगुड्डा, नवालगुड्डा, जम्मलदिन्नी, वेंगलापुर, कोटिगुड्डा, केलगिना इराबगेरी, मनासगल, मियापुर, मसारकल	देवदुर्गा	रायचूर	
7.	टेग्गेहल, चिंतालीकुंटा, काटामल्ली, मुस्तूर, गेज्जेबावी, शखापुर, काकरगल, जिन्नापुर, अलदार्टी, हनुगुंडबड़ा, गोविंदपल्ली गुड्डा, रामदुर्गा, मलदकल, मसिदापुर	अरकेरा		
8.	हलवेनकटापुर, मुरहरपुर, कलमली, हुंसीहलहुड़ा, गोंहाल, रामपुर, अस्कीहाल, इक्लासपुर, फतेपुर	रायचूर		

मार्ग संरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। आम जनता को इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से दो महीने (60 दिन) के भीतर प्रस्तावित पारेषण प्रणाली पर अवलोकन/प्रतिनिधित्व करने या स्पष्टीकरण मांगने या आपत्ति उठाने के लिए नोटिस दिया जाता है। इस नोटिस के संबंध में लिखित रूप में टिप्पणियां/अभ्यावेदन/स्पष्टीकरण/आपत्तियां, अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय को भेजी जाएंगी।

अधिक विवरण और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:

विवेक प्रताप सिंह, सहायक महाप्रबंधक
दूसरी मंजिल, नोवस टॉवर, प्लॉट नंबर 18, सेक्टर-18, गुरुग्राम, हरियाणा-122015
ईमेल : brtl@grinfra.com फोन नंबर : 0124-6435000 मोबाइल नं : 9458581939

कांग्रेस नेता दोहरे मापदंड अपनाते हुए बयान देते हैं : एन. रवि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । कांग्रेस के नेता दोहरी भाषा बोलने की कला में माहिर हैं। दोहरी भाषा बोलना उनका स्वभाव है। कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने गुरुवार को आरोप लगाते हुए अपने बयान में कहा कि एक तरफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कहते हैं कि उनकी पार्टी आतंकी हमले के मुद्दे पर केंद्र को समर्थन देगी, दूसरी तरफ राज्य के मंत्री प्रियांक खड़गे और ईश्वर खंड्रे पहलगाम त्रासदी के लिए केंद्र को दोषी ठहराते हैं।

रवि कुमार ने कहा, राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में यह राजनीति निंदनीय है। समय की मांग है कि बिना किसी भेदभाव के पूर्ण समर्थन दिया जाए, न कि दोहरी भाषा बोलने और दोहरी भाषा बोलने की राजनीति से प्रेरित बातें की जाएं। यूपीए सरकार के दौरान कश्मीर में आतंकी हमले अक्सर होते थे, जबकि मोदी सरकार के 11 साल के कार्यकाल में बहुत कम घटनाएं सामने आईं।

रवि कुमार ने कहा, चाहे पुलवामा हो या उरी, इनका सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक के रूप में डटकर जवाब दिया गया। कांग्रेस और उसके समर्थक दल ऐसे कड़े जवाब के बारे में सोच भी नहीं सकते। इसके अलावा, कांग्रेस के प्रथम परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा ने भी अपमानजनक बयान दिया है। दरअसल, रॉबर्ट न तो सरकार में हैं और न ही पार्टी में, लेकिन फिर भी वे राष्ट्रीय मुद्दों में अपनी नाक घुसाते हैं। रवि कुमार ने कहा, हिंदुत्व और सनातन धर्म भारत की आत्मा है। यह न तो कोई राजनीतिक मुद्दा है और न ही बहस का विषय। पहलगाम के हमलावरों ने हिंदुओं को निशाना बनाकर यह कायराना हरकत की है। हम इस हमले से नहीं डरेंगे। हमने हिंदुत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और अधिक दृढ़ तरीके से मजबूत करने का संकल्प लिया है।

राज्यपाल ने भारत नागभूषण को दी अंतिम श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने पहलगाम आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वाले भारत भूषण के मत्तिकेरे, बेंगलूरु स्थित आवास का दौरा किया, भारत भूषण के पार्थिव शरीर पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा भरत की पत्नी और परिवार के सदस्यों को सांत्वना दी और ढांढस बंधाया। बाद में भारत भूषण को अपने रिश्तेदार से घटना की जानकारी मिली।

बाद में बोलते हुए राज्यपाल गहालोत ने कहा कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ आतंकवादी हमला निंदनीय है। पर्यटन स्थलों पर अधिक सुरक्षा होनी चाहिए। हमें यह अध्ययन करने की आवश्यकता है कि कमियां कहां हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने होंगे। भारत सरकार ने इस घटना को गंभीरता से लिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारत आतंकवादियों और पाकिस्तानियों को सबक सिखाएगा ताकि वे भविष्य में ऐसी हरकतें न करें। कैबिनेट समिति की बैठक में भारत सरकार द्वारा लिए गए कुछ कड़े फैसले पाकिस्तान के लिए परेशानी का सबब बन सकते हैं।

कर्नाटक में निर्धारित समय से अधिक रहने वाले विदेशियों के प्रति पुलिस को किया सतर्क : सिद्दरामय्या

चामराजनगर/दक्षिण भारत। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बृहस्पतिवार को कहा कि पुलिस को राज्य में निर्धारित समय से ज्यादा वक्त तक रहने वाले विदेशी नागरिकों के प्रति सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उनकी यह टिप्पणी कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में आई है जिसमें मंगलवार को कम से कम 26 लोग मारे गए।

सिद्दरामय्या ने राज्य में निर्धारित अवधि से अधिक समय तक रहने वाले विदेशी नागरिकों पर निगरानी के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में संवाददाताओं से कहा, मैंने पुलिस को सतर्क रहने को कहा है। आतंकवादी घटना पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह हमला निंदनीय, जघन्य और अमानवीय है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों और आतंकवादियों को, चाहे वे किसी भी धर्म या जाति के हों, जड़ से मिटा देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी पार्टी और सरकार इस संबंध में पूर्ण सहयोग देगी। एक अन्य सवाल के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार केंद्र की आवश्यक मंजूरी के बाद कावेरी नदी पर मेकेदातु परियोजना को लागू करने के लिए तैयार है। इस मामले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बावजूद कोई प्रगति नहीं हुई है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केन्द्र अक्सर राज्य के हिस्से की धनराशि रोक लेता है, यहां तक कि घोषित आवंटन भी जारी नहीं किया जा रहा है।

केरल के 575 लोग अभी कश्मीर में हैं : विजयन

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने बृहस्पतिवार को कहा कि केरल के 575 लोग अभी कश्मीर में हैं और जरूरतमंद लोगों को यात्रा, चिकित्सा सहायता और भोजन उपलब्ध कराने के लिए कदम उठाए गए हैं। मंगलवार दोपहर को दक्षिण कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी।

IDBI BANK
आईडीबीआई हाउस 58, मिशन रोड, बेंगलुरु- 560 027
CIN – L65190MH2004GOI148838
आईडीबीआई बैंक के मिशन रोड, बेंगलुरु स्थित परिसर और रिचमंड टाउन, बेंगलुरु स्थित आवासीय क्वार्टरों में सुविधा प्रबंधन सेवाएं (झाड़ू लगाना, सफाई और सफाई से संबंधित अन्य सेवाएं) प्रदान करने के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।
अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारे बैंक की वेबसाइट www.idbibank.in पर जाएं।
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 16 मई, 2025 को दोपहर 3.00 बजे तक है।
हस्ताक्षर/-
तारीख: 24.04.2025 महाप्रबंधक

पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए भारत भूषण के परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना देते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या।

सिद्दरामय्या ने केंद्र से आतंकियों के खात्मे और पहलगाम जैसी घटनाएं दोबारा नहीं होने देने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए भारत भूषण को बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि दी और केंद्र सरकार से आतंकवादियों का खात्मा करने तथा यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं हों। मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई में सभी लोग केंद्र के साथ हैं। हालांकि, उन्होंने हमले को रोकने में खुफिया विफलता को दोहराया। पहलगाम आतंकवादी हमले में आतंकवादियों द्वारा मारे गए कर्नाटक के दो पर्यटकों के शव बृहस्पतिवार तड़के यहां केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लाए गए।

मंजूनाथ राव और भरत भूषण उन 26 लोगों में शामिल हैं जिन्हें मंगलवार को पहलगाम में उनकी धार्मिक पहचान की पुष्टि के बाद उनके परिवारों के सामने मार दिया गया। आतंकवादियों द्वारा मारे गए ज्यादातर लोग पर्यटक थे। राव के शव को उनके गृहनगर शिवमोगा ले जाया गया, जबकि भूषण के शव को बेंगलूरु में उनके निवास पर लाया गया। अंतिम संस्कार गुरुवार शाम को होने की संभावना है।

सिद्दरामय्या ने कहा, ''सरकार और सात करोड़ कन्नड़ लोगों की ओर से मैं भरत भूषण को श्रद्धांजलि देता हूं। वह बीई, एमबीए ग्रेजुएट एक नौजवान थे और महज 41 साल के थे। एक अप्रिय घटना हुई है। यह एक अमानवीय कृत्य है। मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।'' भूषण को श्रद्धांजलि देने के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि आतंकवादियों का सफाया करना सरकार की जिम्मेदारी है। आतंकवाद और आतंकवादी गतिविधियों के लिए देश में कोई जगह नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने कहा, ''बिना किसी कारण के सरकार (केंद्र) को इस पर कोई रियायत नहीं देनी चाहिए। हम सभी केंद्र सरकार के साथ हैं। मैं केंद्र से सभी आतंकवादियों को खत्म करने का आग्रह करता हूं। इसके लिए हमारा पूरा समर्थन है।'' उन्होंने कहा कि कश्मीर में पर्यटक के तौर पर गए निर्दोष लोगों को उनकी पत्नियों और बच्चों के सामने मार दिया गया। इससे ज्यादा जघन्य और अमानवीय कृत्य कुछ और नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि वह इसकी कड़ी निंदा करते हैं। पुलवामा आतंकवादी हमले की घटना का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, अब जब ऐसी घटना हो चुई है तो यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं हों। आतंकवादियों का पता लगाया जाना चाहिए और उन्हें खत्म किया जाना चाहिए। मैं केंद्र सरकार से ऐसे कदम उठाने का आग्रह करता हूं। मुझे कहीं न कहीं लगता है कि खुफिया तंत्र की विफलता थी।

सिद्दरामय्या ने कहा कि राज्य के दो लोगों की मौत हो गई है और बेंगलूरु निवासी आंध्र प्रदेश के एक अन्य व्यक्ति की भी मौत हो गई, जिसका शव उसके गृह राज्य ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि मंत्री मधु बंगरप्पा सरकार की ओर से शिवमोगा में मंजूनाथ राव को श्रद्धांजलि देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार ने मृतकों के परिवार को 10–10 लाख रुपये देने की घोषणा की है और हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी। अधिकारियों और मंत्री संतोष लाड की एक टीम शवों को राज्य में वापस लाने और पर्यटकों के रूप में वहां गए कन्नड़ लोगों की वापसी सुनिश्चित करने के लिए जम्मू कश्मीर पहुंची। घटना के बाद 177 कन्नड़ लोगों को वापस लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा, यह सरकार की जिम्मेदारी है। भारत भूषण की आतंकवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि उनकी पत्नी सुजाता और उनके तीन साल के बेटे को बख्श दिया था। इसके अलावा, मंजूनाथ राव नामक एक रियल एस्टेट कारोबारी की भी उनकी पत्नी और बेटे की मौजूदगी में हत्या कर दी गई।

सोना तस्करी मामले की सुनवाई कर्नाटक स्थानांतरित करने संबंधी याचिका पर आरोपियों को नोटिस जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोना तस्करी मामले की सुनवाई केरल से कर्नाटक स्थानांतरित करने के अनुरोध संबंधी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर बृहस्पतिवार को चार आरोपियों को नोटिस जारी किये। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की पीठ ने धनशोधन रोधी जांच एजेंसी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू की दलीलों पर गौर किया और आरोपियों से छह सप्ताह के भीतर जवाब मांगा तथा याचिका पर सुनवाई ग्रीष्मावकाश के बाद जुलाई में तय की।

विधि अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी को याचिका में अन्य शेष आरोपियों को भी पक्षकार बनाना होगा। वर्तमान में प्रवर्तन निदेशालय ने सरिथ पी.एस., स्वप्ना प्रभा सुरेश, संदीप नायर और एम. शिवशंकर को अपनी याचिका में पक्षकार बनाया है। उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले केंद्र से जानना चाहा था कि क्या राजनयिकों के सामान की भारत में जांच की जा सकती है या उन्हें तलाशी से छूट प्राप्त है।

न्यायालय 2022 में दायर ईडी की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है, जिसमें सोने की तस्करी मामले की सुनवाई केरल से कर्नाटक स्थानांतरित करने का अनुरोध किया गया है। इस याचिका में दावा किया गया था कि राज्य में मामले की स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से ''सुनवाई'' संभव नहीं है। ईडी ने अपनी याचिका में आरोप लगाया कि आरोपियों और केरल सरकार के शीर्ष अधिकारियों और पदाधिकारियों के बीच घनिष्ठ संबंध हैं। मामले की एक प्रमुख आरोपी, तिरुवनंतपुरम में यूएई वाणिज्य दूतावास की पूर्व कर्मचारी स्वप्ना सुरेश को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने 11 जुलाई, 2020 को बेंगलूरु से एक अन्य आरोपी संदीप नायर के साथ हिरासत में लिया था। एनआईए, ईडी और सीमा शुल्क विभाग ने पांच जुलाई, 2020 को तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर यूएई वाणिज्य दूतावास की राजनयिक के सामान से 15 करोड़ रुपये मूल्य के सोने की जब्ती के साथ रैकेट का भंडाफोड़ किया था।

भारत सरकार
कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय
त्वरित कॉर्पोरेट समापन प्रसंस्करण केंद्र (सी-पेस),
आई.आई.सी.ए. बिल्डिंग, 7वीं मंज़िल,
प्लाट झ-6,7,8, से.-5, आई.एम.टी. मानेसर,
गुड़गाँव, हरियाणा - 122050.
ईमेल: roc.cpace@mca.gov.in

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Corporate Affairs
Centre for Processing Accelerated Corporate Exit (C-PACE)
IICA Building, 7th Floor,
Plot P-6,7,8, Sector-5, IMT Manesar,
Gurgaon, Haryana - 122050.
Email: roc.cpace@mca.gov.in

प्रारूप संख्या एसटीके-6
सार्वजनिक सूचना

कंपनी अधिनियम की धारा 248 की उपधारा (2) और उपधारा (4) और कंपनी (कंपनी रजिस्टर से कंपनियों का नाम हटाना) नियम, 2016 के नियम 7 के अनुसरण में

सार्वजनिक नोटिस : ROC/C-PACE/STK-2/248(2)/2025-26/133 दिनांक : 16/04/2025

संदर्भ:

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत निम्नलिखित (23) कंपनियों के नाम कर्नाटक राज्य से हटाने के मामले में:

S No.	Work Item	CIN	Company Name in Hindi
1	AB2833320	U72900KA2019FTC122275	सर्टस एपीएसी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड
2	AB2836299	U85110KA1965PLC001563	रुक्मणी इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड
3	AB2847868	U51909KA2020PTC134853	श्रीमद ट्रेडिंग सर्विसेज़ प्राइवेट लिमिटेड
4	AB2895647	U36939KA2019PTC121076	स्लॉगर स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
5	AB2910351	U72900KA2011PTC061821	कैलिस्ट्रो इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड
6	AB2921368	U72900KA2016PTC097002	कोरसिग्मा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
7	AB2924008	U74999KA2018OPC114183	एस्सकेन माइक्रोकंट्रोलर्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
8	AB2924963	U85110KA1999PTC024794	एसआरआईटी एंटरप्राइज़ सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
9	AB2942257	U74999KA2016PTC098005	टेक-गैलियंट सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
10	AB2943478	U74900KA2016PTC085229	हैप्पीहेल्दीमी ऑर्गेनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
11	AB2945000	U01400KA2012PTC065409	लेगसी ग्लोबल एग्री प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
12	AB2945118	U72300KA2012PTC065205	लेगसी ग्लोबल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
13	AB2953200	U80904KA2019PTC127078	फोविरा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
14	AB2955780	U74999KA2020PTC135226	विप्रा हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड
15	AB2961126	U63090KA2019PTC124148	फास्टफॉरवर्ड मोबिलिटी टेक प्राइवेट लिमिटेड
16	AB2966333	U15541KA2021OPC146670	करचिकाई किचन (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
17	AB2969081	U74999KA2018PTC116113	ऑगप्लैट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
18	AB2969558	U74999KA2020PTC137924	टेज़र टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
19	AB2987576	U66190KA2023PTC171735	निस्ताक्यों ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड
20	AB2988843	U15410KA2012PTC062192	उषोदय फूड एंड कॉस्मेटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
21	AB2989698	U45400KA2021PTC150633	सरस्वती पुत्रा इंटरनेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड
22	AB2994150	U68200KA2023PLC176978	वीएसएफ एस्टेट्स लिमिटेड
23	AB3012054	U45500KA2016PTC096294	बिल्डनेस इन्फ्रा एंड टेक प्राइवेट लिमिटेड
24	AB3013518	U74999KA2017PTC108744	विस्कनेट टेक्नोसॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
25	AB3021310	U72900KA2021PTC150214	फायरपाथ टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
26	AB3022361	U66309KA2023PTC177785	एलीटकैप वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
27	AB3024100	U72900KA2019PTC123833	डेनज़िप टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
28	AB3024671	U15490KA2022PTC165020	क्रिस्पी वे प्राइवेट लिमिटेड
29	AB3027448	U15530KA2015PTC082868	सैवसन्स स्पिरिट्स प्राइवेट लिमिटेड
30	AB3029428	U24290KA2022PTC156409	पाटिल एग्रो रिफाइनरीज़ प्राइवेट लिमिटेड
31	AB3029968	U80902KA2022PTC159179	गेन2एक्सेल प्राइवेट लिमिटेड
32	AB3035820	U34100KA2021PTC149792	नैवियर-स्टोक्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड
33	AB3047165	U82300KA2023PTC174192	हैप्पी हिसलर्स इवेंट प्लानर्स और ऑर्गनाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड
34	AB3052224	U74999KA2021PTC144041	अवाकासा कंसल्टिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
35	AB3056704	U74999KA2018PTC115795	टील डोर डिज़ाइंस प्राइवेट लिमिटेड
36	AB3059238	U72200KA2007PTC043040	श्रीट हेल्थकेयर सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
37	AB3064089	U93000KA2019PTC124672	डिजीटलव प्राइवेट लिमिटेड
38	AB3065106	U72900KA2019PTC139212	मियोटिडा प्राइवेट लिमिटेड
39	AB3065564	U74101KA2024PTC184474	रेनबर्ग प्राइवेट लिमिटेड
40	AB3067090	U45309KA2021OPC144720	क्ले कुब्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
41	AB3073651	U01100KA2019PTC125793	फार्मजेनस प्राइवेट लिमिटेड
42	AB3074314	U74900KA2016PTC086801	रिसोर्सेस करियर पोर्टल प्राइवेट लिमिटेड
43	AB3082895	U74999KA2019PTC119984	रॉयक्राउन वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
44	AB3083975	U29253KA2011PTC059239	आल टेरेन सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
45	AB3088152	U85300KA2022PTC167646	एलविरा बर्नेस मेटल कोचिंग प्राइवेट लिमिटेड
46	AB3088439	U72900KA2018PTC113237	सिक्योरलीशेयर रिसर्च और डेवलपमेंट प्राइवेट लिमिटेड
47	AB3097367	U31907KA1996PTC019609	नवनिधि इलेक्ट्रो-इलेक्ट्रिक प्राइवेट लिमिटेड
48	AB3100622	U72900KA2021PTC144713	नान मूनस एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड
49	AB3102302	U74999KA2018PTC109994	कोरलाटोल सॉफ़्टवेयर प्राइवेट लिमिटेड
50	AB3105785	U52602KA2018PTC114696	क्लेवेंसकी रिसेलर और सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
51	AB3106532	U52520KA2020PTC135970	स्मार्ट किराना कार्ट्ज़ प्राइवेट लिमिटेड
52	AB3109007	U39000KA2024PTC185037	ग्रीनआर इनोवेटिव टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
53	AB3109103	U52609KA2018PTC114775	लैवेंटिक रिसेलर और सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
54	AB3111266	U74999KA2017PTC101752	ग्रीनहाउस इंटरनेशनल प्री-स्कूल्स प्राइवेट लिमिटेड
55	AB3111348	U72900KA2020PTC139765	मुद्रार्थ टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
56	AB3113964	U74999KA2021OPC144649	व्यसमैन बिजनेस एडवाइजर्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
57	AB3115554	U15400KA2016FTC095060	जॉय-ऑफ-लाइफ न्यूट्रिशन (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
58	AB3116310	U72200KA2007PTC042102	दीक्षित सॉफ़्टवेयर कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड
59	AB3116591	U15100KA2020PTC135784	श्री दयालाहरी फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड
60	AB3117290	U85110KA1991PLC012643	अतुल्य फाइनेंस लिमिटेड
61	AB3118731	U74999KA2015PTC083216	चीता डिलीवरी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
62	AB3120039	U74999KA2018PTC110912	कंपिडो कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
63	AB3120920	U45100KA2019PTC127590	रीपोलिस कंस्ट्रक्शन्स प्राइवेट लिमिटेड
64	AB3121593	U72900KA2019PTC129751	वैकसो केयर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
65	AB3122498	U93000KA2013PTC068825	अप्रांजे कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड
66	AB3122782	U55209KA2022OPC167776	ओडू गुडू होटल एंड कन्वेंशन पार्क (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
67	AB3123577	U27320KA2009PTC051704	कमल आयरन स्टील इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
68	AB3124387	U68200KA2023PTC173597	जेएमसीसी डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेड
69	AB3124479	U45102KA2017PTC101569	फेसिटेक लिविंग सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
70	AB3125125	U74999KA2018OPC113819	एमपीजे बिग हैट सॉल्यूशन्स (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
71	AB3125893	U65999KA2017PTC104198	पीडब्ल्यूजे कैपिटल इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
72	AB3126060	U45309KA2022OPC163525	वालप्रोक्स इंडिया (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
73	AB3126980	U72200KA2015PTC080607	टेक्नोलियम सॉल्यूशन्स प्राइवेट लिमिटेड
74	AB3127106	U92419KA2018PTC110740	गोल्डन स्ट्राइड्स स्पोर्ट्स एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड
75	AB3127694	U74999KA2018PTC112374	स्टारविस्टा सेलेब्रिटीज प्राइवेट लिमिटेड
76	AB3128233	U74999KA2017PTC107345	श्री वासवी रिसायक्लर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
77	AB3130753	U52100KA2023OPC170233	पेंटिंग डियर डेकोर (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
78	AB3130863	U45200KA2021PTC153614	आरसीईई एंगिसर्व प्राइवेट लिमिटेड
79	AB3130877	U85110KA1995PTC017820	केन कंप्यूटेक प्राइवेट लिमिटेड
80	AB3130908	U01122KA1998PTC024059	सन-एस एक्सपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
81	AB3131160	U74140KA2000PTC027991	केन कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड
82	AB3131447	U24299KA2021PTC146063	पेलेमिस वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड
83	AB3133629	U35999KA2021PTC149095	ई3-विभव प्राइवेट लिमिटेड
84	AB3140379	U62099KA2023PTC172748	शेलन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
85	AB3142037	U10719KA2023PTC175309	मफेट्स एंड टफेट्स बेक हाउस प्राइवेट लिमिटेड
86	AB3146251	U73200KA2022PTC162549	त्रियाह वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड
87	AB3150420	U74140KA2001PTC169834	सप्लाई चेन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
88	AB3152068	U56210KA2023PTC179224	गोवो इंफोटेक प्राइवेट लिमिटेड
89	AB3155279	U74999KA2019PTC120672	हिडोंस फैसिलिटी मैनेजमेंट सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
90	AB3156083	U70200KA2024OPC186024	शुभ एविग्ना एडवाइजरी (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
91	AB3157301	U72501KA1994PTC015187	हर्शेल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
92	AB3159222	U74110KA2012PTC065194	ऑक्स-नरीच प्राइवेट लिमिटेड
93	AB3176105	U74999KA2019PTC130436	स्मोरानिका केयर प्राइवेट लिमिटेड
94	AB3178607	U62013KA2024PTC184475	ईपीआई एवरीडे कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
95	AB3179937	U70109KA2021PTC148477	एसजीपीएल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
96	AB3180549	U80211KA2016PTC086637	सेंटो ड्रीम एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड
97	AB3181422	U72900KA2020PTC137333	अल्पयूस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
98	AB3185564	U51311KA2019PTC127055	एन.आर. टेक्स प्राइवेट लिमिटेड
99	AB3206024	U31901KA2009PTC050976	इलेक्ट्रो कंट्रोल्स सिस्टम्स एंड ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड
100	AB3207931	U74110KA2017PTC106851	फ्रेशमार्ट एक्सक्लूसिव रिटेल प्राइवेट लिमिटेड
101	AB3208614	U72900KA2022PTC167872	एलिजिबलई टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
102	AB3218262	U26990KA2022PTC165913	एम.वी. ग्रेनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड
103	AB3219881	U72900KA2010PTC055317	बिजडम टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
104	AB3224695	U72900KA2018PTC112467	सिमक्लिक टेक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
105	AB3226067	U80904KA2017PTC103511	सायन अकादमी प्राइवेट लिमिटेड
106	AB3227932	U17299KA2022PTC158038	लेबल तोरा प्राइवेट लिमिटेड
107	AB3228978	U20239KA2023OPC174014	पर्फोरा (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड
108	AB3245683	U74900KA2013PTC067512	टैगोस डिज़ाइन इनोवेशन्स प्राइवेट लिमिटेड
109	AB3247537	U01100KA2020PTC141498	कृषिजेनिक साइंस प्राइवेट लिमिटेड
110	AB3255156	U83030KA1995PTC017083	कृष्णकॉम्प्स कंप्यूटर प्वाइंट अकादमी प्राइवेट लिमिटेड
111	AB3256037	U85300KA2020PTC142473	ट्रइन्फो हेल्थ प्राइवेट लिमिटेड
112	AB3257722	U74140KA2004PTC033635	सिनेप्स इंडिया मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
113	AB3270174	U02922KA1988PTC009656	स्कोरा इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
114	AB3271420	U85101KA2024PTC186224	ग्रोकुल वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
115	AB3293131	U74120KA1985PTC081766	रिसोर्स मैनेजमेंट (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड
116	AB3294274	U70109KA2017PTC105615	शैवी रियल्टी एंड एलाईड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
117	AB3298529	U45200KA2018PTC117402	आदि सहायथी रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड

2. इसके द्वारा यह सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 248 (2) के तहत कंपनी रजिस्ट्रार को उपर्युक्त कंपनियों के नाम कंपनी रजिस्टर से इस आधार पर नाम हटाने का आवेदन प्राप्त हुआ है कि कंपनी के निगमन के एक वर्ष के भीतर कारोबार आरंभ करने में विफल रहे हैं या इस आधार पर कि कंपनी पूर्ववर्ती 2 वित्तीय वर्षों से कारोबार नहीं कर पाई है और इस अवधि के भीतर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 455 के तहत निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त करने का आदेश का आवेदन नहीं किया है या कंपनी ने निष्क्रिय कंपनी की स्थिति प्राप्त कर ली है, पर वे कंपनी के रूप में पंजीकरण नहीं रखना चाहते और अतः कंपनी रजिस्ट्रार से अपना / अपने नाम हटाने का अनुरोध किया है।

3. तदनुसार, कंपनी रजिस्ट्रार उपर्युक्त कंपनियों के नामों को कंपनियों के रजिस्टर से हटाने का प्रस्ताव करता है।

4. यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कंपनी को कंपनी रजिस्ट्रार से कंपनियों का नाम हटाने के प्रस्ताव से आपत्ति है तो वह व्यक्ति/संस्था इस सूचना के प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिनों के भीतर उपर्युक्त कार्यालय के पते पर अपनी आपत्ति भेज सकते हैं।

इरकान तिर्की
सहायक रजिस्ट्रार
प्रसंस्करण त्वरित कॉर्पोरेट निकास केंद्र

CBC 07123/11/0096/2526

आतंकी हमले में मारे गए नीरज का अंतिम संस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में मारे गए चार्टर्ड एकाउंटेंट नीरज उधवानी (33) का बृहस्पतिवार को यहां अंतिम संस्कार किया गया। झालाना स्थित मोक्ष धाम में नीरज के बड़े भाई किशोर उधवानी ने उनकी चिता को मुखाग्नि दी। नीरज की पत्नी आयुषी श्मशान घाट पर उनके पार्थिव शरीर के पास गमगीन और हाथ जोड़े खड़ी थीं। परिवार के सदस्यों के बार-बार प्रयास के बावजूद वह अपने आंसू नहीं रोक सकीं। इससे पहले राज्यपाल हरिभाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दियाकुमारी व प्रेमचंद बैरवा, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और अन्य नेताओं ने उधवानी के मॉडल टाउन इलाके में स्थित आवास पर जाकर शोक व्यक्त किया। नेताओं ने शोक संतप्त परिजनों को ढांढस भी बंधाया।

कश्मीर में पहलगाम की बैसरन घाटी में आतंकवादी हमले में जयपुर के 33 वर्षीय चार्टर्ड एकाउंटेंट नीरज उधवानी की जान चली गई थी। उधवानी और उनकी पत्नी आयुषी मंगलवार को पहलगाम गये थे। परिवार के अनुसार, नीरज दुबई में सीए के पद पर कार्यरत थे। वह एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे और सोमवार को जम्मू-कश्मीर गए थे। उनकी शादी फरवरी 2023 में हुई थी। नीरज की पार्थिव देह को बुधवार रात विमान से जयपुर लाया गया।

आज सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए नीरज के आवास के बाहर जमा हो गए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि खून के एक-एक कतरे का हिसाब लिया जाएगा। उन्होंने कहा, जिस तरह की यह कायरता की गई है, वह असहनीय है और निश्चित रूप से ऐसे लोगों को सजा मिलेगी। जो कायराना हरकत की गई है, उसके खिलाफ पूरा देश एकजुट है। इस तरह की घटना पर मोदी सरकार ने पहले भी सख्त कदम उठाए हैं और आगे भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। इसी दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब वहां मौजूदा महिला ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा, यह आपकी सरकार की विफलता है। अब यहां सुरक्षा लगाने का क्या मतलब है?' इसके जवाब में केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने केवल हाथ जोड़ दिए।

रक्त और पानी एक साथ नहीं बहेंगे : गजेन्द्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम की आतंकवादी घटना के बाद कहा है कि अब रक्त और पानी एक साथ नहीं बहेंगे।

इसलिए भारत सरकार ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को स्थगित किया है। शेखावत गुरुवार को यहां पहलगाम हमले में जान गंवाने निरज उधवानी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए और बाद में मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि चाहे वर्ष 1965 या 1971 का युद्ध हो या कारगिल संघर्ष, भारत ने हमेशा सिंधु जल संधि का सम्मान किया लेकिन पाकिस्तान द्वारा बार-बार की जा रही आतंकवादी हरकतों के बाद सरकार ने यह सख्त फैसला लिया है। यह केवल एक जल नीति का परिवर्तन नहीं बल्कि पाकिस्तान के लिए बड़ा संदेश है। इससे उसकी आर्थिक कमर टूटेगी।

उन्होंने कहा कि पहलगाम का कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला सीमा पार से प्रायोजित था। इस हमले के बाद देश इस समय गमगीन भी है और आक्रोशित भी, इसलिए हरसंभव पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए केंद्र सरकार कड़े फैसले ले रही है। शेखावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है।

उनके नेतृत्व में सरकार ने जिस तरह सर्जिकल स्ट्राइक की, उससे पूरी दुनिया को यह कड़ा संदेश गया था कि भारत किसी भी भारत विरोधी गतिविधि को स्वीकार नहीं करेगा और उसका कड़ा जवाब देगा। उन्होंने रॉबर्ट वाड्रा के बयान की निंदा करते हुए कहा कि रॉबर्ट वाड्रा ने अपने बयान में जिस तरह आतंकवादियों और ऐसी घटनाओं को समर्थन देने वाली मानसिकता के प्रति अपनी सहानुभूति जताई है, वह कांग्रेस के चरित्र को दर्शाता है।

ईडी के शिकंजे में महेश जोशी : जेजेएम घोटाले को लेकर पूछताछ शुरू, दस्तावेजों पर मांगा जवाब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में बहुचर्चित जल जीवन मिशन (जेजेएम) घोटाले को लेकर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई तेज हो गई है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री महेश जोशी गुरुवार दोपहर ईडी मुख्यालय पहुंचे, जहां उनसे पूछताछ जारी है। बताया जा रहा है कि ईडी ने उन्हें पहले भी कई बार समन भेजे थे, लेकिन वे व्यक्तिगत कारणों का हवाला देकर उपस्थित नहीं हो रहे थे। इस बार उन्होंने तय समय पर हाजिरी लगाई। वे दोपहर 1 बजे अपने एक निजी सहयोगी के साथ ईडी दफ्तर पहुंचे, जहां उन्हें कमरा नंबर 3 में पूछताछ के लिए बुलाया गया। ईडी के अधिकारी उनसे संबंधित दस्तावेजों पर जवाब मांग रहे हैं। पूछताछ दोपहर 1:30 बजे से शुरू हुई है और देर शाम तक चलने की संभावना है।

जल जीवन मिशन (जेजेएम) केंद्र सरकार की एक महत्त्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य हर ग्रामीण घर तक नल से पानी पहुंचाना है। इस मिशन के तहत वर्ष 2024 तक हर व्यक्ति को 55 लीटर प्रति दिन शुद्ध पानी देने का लक्ष्य तय किया गया है। कुल बजट 3.6 लाख करोड़ रुपए का रखा गया, जिसमें से केंद्र सरकार का योगदान 58 प्रतिशत (2.8 लाख करोड़) है। राजस्थान ने इस योजना में पैसे खर्च करने के मामले में जून 2023 तक देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया। लेकिन अब उसी में घोटाले के आरोपों ने योजना की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश के 22 जिलों में यह योजना लागू की गई, जिनमें शामिल हैं। अलवर, बांसवाड़ा, बाड़मेर, भरतपुर, बीकानेर, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, झुंझुनूं, जोधपुर, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, सिरोही और उदयपुर।

सूत्रों के अनुसार, जेजेएम के अंतर्गत करोड़ों रुपए के खर्च में भारी गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं। कई जिलों में बिना भौतिक कार्य के ही भुगतान किए गए, फर्जी बिल प्रस्तुत किए गए और टेंडर प्रक्रिया में भी कई अनियमितताएं सामने आईं।महेश जोशी पर आरोप है कि वे इस योजना के कार्यान्वयन के दौरान प्रभावशाली पद पर रहते हुए कुछ फैसलों में शामिल थे या उनकी जानकारी में ही घोटाले को अंजाम दिया गया।

ईडी की कार्रवाई ऐसे समय में हुई है जब राजस्थान में कांग्रेस के कई अन्य नेता भी जांच एजेंसियों के निशाने पर हैं। यह पूछताछ न केवल महेश जोशी बल्कि इस पूरे घोटाले के नेटवर्क को सामने ला सकती है। सूत्रों के अनुसार, ईडी के पास बैंक ट्रांजेक्शनों, ठेकेदारों से लिए गए बयान और वित्तीय गड़बड़ियों के ठोस दस्तावेजी साक्ष्य मौजूद हैं। अगर महेश जोशी पूछताछ में सहयोग नहीं करते या संतोषजनक जवाब नहीं दे पाते हैं, तो ईडी उनकी लंबी पूछताछ, जमानत रद्दीकरण की प्रक्रिया या गिरफ्तारी जैसी सख्त कार्रवाइयों पर भी विचार कर सकती है। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस इसे राजनीतिक प्रतिशोध का नाम दे सकती है, जैसा पहले के मामलों में देखने को मिला है।

कोटा में नीट की तैयारी कर रहे छात्र का शव मिला, आत्महत्या का संदेह

कोटा। राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे दिल्ली के 23 वर्षीय एक छात्र का शव बृहस्पतिवार को यहां रेल लाइन के पास मिला, जिसके बाद प्रारंभिक जांच का हवाला देते हुए पुलिस ने कहा कि युवक ने जहर खाकर आत्महत्या की। पुलिस के अनुसार युवक का शव लैंडमार्क सिटी इलाके में मिला और घटनास्थल पर कोई 'सुसाइड नोट' नहीं मिला है। देश का 'कोचिंग हब' कहे जाने वाले कोटा में 48 घंटे में किसी नीट अभ्यर्थी द्वारा कथित तौर पर आत्महत्या किए जाने का यह दूसरा मामला है और जनवरी से अब तक 12वां मामला है।

पुलिस निरीक्षक अरविंद भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली के तुगलकाबाद के निवासी रोशन शर्मा का शव झाड़ियों से बरामद किया गया उन्होंने कहा कि कुछ राहगीरों ने शव को देखा और पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने छात्र के मोबाइल से उसके माता-पिता से संपर्क किया। एक अधिकारी ने बताया रोशन की बुधवार रात अपने परिवार से आखिरी बार बात हुई थी और परिवार के सदस्यों के अनुसार रोशन ने उनसे कहा था कि वह न तो नीट परीक्षा देगा और न ही दिल्ली लौटेगा बल्कि जहर खाकर अपनी जान दे देगा। अधिकारी ने बताया कि उसे अगले महीने नीट परीक्षा देनी थी। रोशन के माता-पिता ने कहा कि वह बोरखेड़ा इलाके के कोरल पार्क में एक छात्रावास में रह रहा था और उसके माता-पिता ने पुलिस को बताया कि वे कुछ दिन पहले रोशन को वापस घर लाने के लिए कोटा गए थे, लेकिन उसने इनकार कर दिया था। अधिकारी के अनुसार माता-पिता ने बताया कि वे उसके कपड़े और सामान लेकर चले गए। पुलिस ने कहा कि शव को यहां एमबीएस अस्पताल के मुर्दाघर में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि बिहार के छपरा के रहने वाले 18 साल के एक लड़के ने मंगलवार तड़के अपने छात्रावास के कमरे में कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

रवानगी

संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस गुरुवार प्रातः अपनी जयपुर यात्रा पूर्ण कर स्वदेश रवाना हुए। इस अवसर पर जयपुर एयरपोर्ट पर उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत ने उन्हें भावभीनी विदाई दी।

आमजन को भीषण गर्मी से राहत देने के लिए पेयजल, विद्युत आपूर्ति सुचारु रखें : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने प्रदेश में भीषण गर्मी को देखते हुए आमजन के लिए आवश्यक बिजली, पानी, स्वास्थ्य एवं अन्य आधारभूत सेवाओं की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के समस्त विभाग इस दौरान आमजन को होने वाली संभावित परेशानियों से बचाने और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करें।

पंत गुरुवार को शासन सचिवालय में ग्रीष्म ऋतु में प्रदेश में जलापूर्ति, समर कंटिन्जेंसी प्लान की प्रगति एवं अन्य अन्तर्विभागीय विषयों की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि समर कंटिन्जेंसी के कार्यों को समय पर पूर्ण किया जाए, जिससे इन कार्यों का अधिकतम लाभ आमजन को मिल सके। किसी भी तरह की आपात स्थिति उत्पन्न होने पर सम्बंधित विभागों द्वारा त्वरित कार्यवाही को सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में उन्होंने सभी कार्मिकों की कार्यस्थलों पर उपस्थिति को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी कंट्रोल रूम चौबीसों घण्टे कार्यशील रहे एवं प्राप्त शिकायतों का सम्बंधित विभाग द्वारा त्वरित निस्तारण किया जाए। पंत ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के सभी जिला प्रभारी अधिकारियों को 30 अप्रैल से पूर्व अपने जिलों का दौरा करने निर्देश दिए। चिकित्सा विभाग को लू एवं तापघात की स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सालयों में उपचार के लिए आवश्यक सभी सेवाओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

उन्होंने पशुपालन विभाग को गौशालाओं में पर्याप्त चारे एवं पानी की व्यवस्था के साथ ही समय पर अनुदान राशि प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश के पशु चिकित्सालयों में सभी आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता को सुनिश्चित किया जाये। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी भास्कर ए सावंत ने कहा कि प्रदेश के समस्त 41 जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों हेतु 142.36 करोड रुपये के 1,245 कार्य स्वीकृत करवाये गये हैं, इनमें से 672 कार्य प्रारम्भ कर दिए गए हैं एवं 157 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा पेयजल गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये जल गुणवत्ता जांच के नमूने लिये जाकर लगातार निगरानी की जा रही है। इसके साथ ही राज्य एवं जिला स्तर पर पेयजल समस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गए हैं।

अतिरिक्त मुख्य सचिव, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा आनंद कुमार ने कहा कि लू एवं तापाघात की स्थिति को देखते हुए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित किये गए हैं। जिला कलेक्टरों को आवश्यकतानुसार विद्यालयों के समय परिवर्तन हेतु निर्देश दिये गए हैं।

जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी से ही बाल विवाह की कड़ी तोड़ना संभव : रांका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष कुलदीप रांका ने कहा कि बाल विवाह केवल सामाजिक कुरीति ही नहीं बल्कि मानवता के लिए भी गंभीर समस्या है। जब तक समाज में महिलाओं के लिए समानता और समता का अधिकार नहीं मिलेगा तब तक राष्ट्र सही मायनों में विकसित नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि जनसमुदाय की सक्रिय भागीदारी से बाल विवाह की कड़ी को तोड़ना संभव है।

रांका गुरुवार को इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान के सभागार में राजस्थान राज्य बाल संरक्षण आयोग एवं बाल अधिकारिता विभाग द्वारा आयोजित बाल अधिकार एवं संरक्षण विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बाल विवाह संपूर्ण विश्व के लिए कितनी बड़ी समस्या है इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि पूरी दुनिया के 45 फीसद बाल विवाह साउथ एशिया में होते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने 2030 तक पूरे विश्व को बाल विवाह से मुक्त करने का लक्ष्य रखा है। बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि हालांकि प्रदेश में पिछले एक दशक में बाल विवाह के मामलों में जबरदस्त गिरावट देखी गई है। जहां प्रदेश पहले पायदान पर आता था, वहीं अब छठे स्थान पर आता है लेकिन यह संतोष की बात नहीं है। आमजन से लेकर लोकसेवक सभी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए बाल विवाह की कड़ी को तोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में आने वाली अक्षय तृतीया और पीपल पूर्णिमा पर राज्य में बाल विवाह की परंपरा रही है। खासतौर पर गांवों में प्रभावशाली लोगों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के सहयोग से लोगों से संवाद करके उन्हें जागरूक करें। सोशल मीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, आपसी संवाद हर वह तरीका अपनाएं जिससे इस कुरीति पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने इस दौरान सभागार में उपस्थित लोगों को 'बाल विवाह मुक्त राजस्थान' की शपथ भी दिलाई।

आयुक्त, बाल अधिकारिता विभाग बचनेश अग्रवाल ने कहा कि विश्व की आबादी की 40 प्रतिशत जनसंख्या 18 वर्ष से कम उम्र की है। यह उम्र सपनों में रंग भरने की होती है। इसी दौरान यदि बच्चों का बाल विवाह हो जाता है तो उनके सपने बेरंग हो जाते हैं। राजस्थान राज्य बाल अधिकार संरक्षण के सदस्य सचिव अविचल चतुर्वेदी ने कहा कि इस कुरीति के अंत के लिए समाज की सोच में बदलाव होना बेहद जरूरी है। हमें लड़के और लड़कियों में समानता की सोच रखनी होगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव श्रीमती पल्लवी शर्मा ने बाल विवाह से जुड़े कानूनों के बारे में विस्तार और कानूनों के प्रति लोगों को जागरूक करने पर भी जोर दिया। इस दौरान यूनिसेफ राजस्थान के बाल संरक्षण विशेषज्ञ संजय निराला और यूएनएफपीए के स्टेट हैड दीपेश गुप्ता ने प्रदेश भर में चल रहे विशेष अभियानों और शोधों के बारे में बताया।

हत्या आरोपी के घर पर मिले दो और शव

भीलवाड़ा। राजस्थान में भीलवाड़ा शहर की रमा विहार कॉलोनी में एक मंदिर के चौकीदार की हत्या करने से ठीक पहले आरोपी दीपक नायर ने अपने घर में बचपन के दो दोस्तों की बेरहमी से हत्या कर दी थी। पुलिस ने दोनों शव गुरुवार दोपहर आरोपी के घर से कब्जे में लिया। पुलिस के अनुसार ये तीनों ही हत्यायें कातिल ने एक ही तरीके से की है। पुलिस के अनुसार रमा विहार कॉलोनी में अय्यपा मंदिर के चौकीदार मलाण निवासी लाल सिंह रावणा (54) की बुधवार रात मंदिर परिसर में ही बेरहमी से हत्या कर उनके प्राईवेट पार्ट काट दिये थे। इस वारदात के एक घंटे बाद ही पुलिस ने कातिल को गिरफ्तार कर दिया था।

यह आरोपी मूलतया केरल का रहने वाला है, जो अभी बापूनगर में रहता है। पुलिस पूछताछ के बाद आरोपी दीपक के घर से चौकीदार की हत्या के दौरान काम में ली गई मोटरसाईकिल जब्त करने आज दोपहर उसके घर पहुंची। जहां मकान से बदबु आ रही थी। ऐसे में सुभाषनगर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने प्रताप नगर पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मकान को खुलवाया तो अंदर का नजारा देखकर पुलिस भी सकते में आ गई। इस मकान के हॉल में दों शव मिले। शव बूरी तरह क्षत-विक्षत हालत में थे। इनमें से एक का प्राईवेट पार्ट कटा हुआ था। सिर बिखरे हुये थे। खून फैला हुआ था। प्रताप नगर पुलिस ने शवों को कब्जे में लिया। पुलिस ने बताया कि दीपक नायर के घर में मिले शव उसी के बचपन के दोस्त संदीप भारद्वाज और मोनू टांक के बताये गये हैं। इन दोनों की हत्या भी चौकीदार की हत्या से पहले आरोपित दीपक नायर ने कर दी।

डीजीपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा और नेता

जयपुर।कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष को परेशान करने का आरोप लगाते हुए बृहस्पतिवार को पार्टी विधायकों के साथ पुलिस मुख्यालय में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) यू आर साहू के कक्ष के बाहर धरना दिया। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि 19 अप्रैल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के हालिया सीकर दौरे के दौरान उन्हें काले झंडे दिखाने पर पार्टी की छात्र शाखा नेशनल स्टूडेंट यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश नागा को परेशान किया जा रहा है। नागा को बुधवार को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कांग्रेस नेताओं का प्रतिनिधिमंडल डोटासरा के नेतृत्व में डीजीपी से मिलने गया था, डीजीपी से वार्ता के बाद नेता उनके कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए। कांग्रेस महासचिव स्वर्णिम चतुर्वेदी ने कहा कि डोटासरा, जूली और पार्टी के करीब 20 विधायक धरने पर बैठे हैं।

गांवों का विकास किए बिना भारत का विकास संभव नहीं : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मधुबनी (बिहार)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को बिहार के मधुबनी में 13,500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया तथा देश भर के पंचायती राज संस्थानों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत अपने गांवों का विकास किए बिना विकास नहीं कर सकता।

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा किए गए कार्यों की भी सराहना की।

बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव संभावित हैं।

मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए विकसित बिहार आवश्यक है और यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रगति का लाभ राज्य के सभी कोनों तक पहुंचे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि महात्मा गांधी का यह विचार कि गांवों को सशक्त किए बिना भारत का विकास नहीं हो सकता, पंचायती राज व्यवस्था के पीछे की अवधारणा है। उन्होंने कहा, ''बिहार वह भूमि है जहां से बापू ने सत्याग्रह का मंत्र दिया था। उनका मानना था कि जब तक गांव सशक्त नहीं होंगे, भारत

का विकास नहीं होगा।'' उन्होंने कहा कि बृहस्पतिवार को शुरू की गई परियोजनाएं राज्य में विकास को बढ़ावा देंगी और रोजगार के अवसर पैदा करेंगी।

मोदी ने कहा, ''किसान ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, यह रीढ़ जितनी मजबूत होगी, गांव उतना ही मजबूत होगा और परिणामस्वरूप राष्ट्र भी।'' उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पंचायतों ने सामाजिक भागीदारी को मजबूत किया है। उन्होंने कहा कि बिहार देश का पहला राज्य है जिसने पंचायतों में महिलाओं के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''आज बिहार में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, दलितों, महादलितों, पिछड़ों और अति पिछड़े समुदायों की बड़ी संख्या में महिलाएं जनप्रतिनिधि के रूप में काम कर रही हैं। यह वास्तविक सामाजिक न्याय और लोकतंत्र है।'' उन्होंने कहा, ''पंचायतों को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं और प्रौद्योगिकी का भी इस्तेमाल किया गया है... दो लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को इंटरनेट से जोड़ा गया है तथा गांवों में 5.5 लाख से अधिक 'कॉमन सर्विस सेंटर' स्थापित किए गए हैं।'' उन्होंने कहा कि 30,000 से अधिक नए पंचायत भवन भी बनाए गए हैं। मोदी ने बिहार सरकार के 'जीविका दीदी' कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि बिहार में महिला स्वयं सहायता समूहों को लगभग 1,000 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि इससे महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण होगा तथा देश भर में तीन करोड़ 'लखपति दीदी' बनाने के लक्ष्य में योगदान मिलेगा।

मोदी ने कहा कि गांवों में गरीबों के लिए घर, सड़कें, गैस कनेक्शन, पानी के कनेक्शन और शौचालयों का निर्माण हुआ है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में लाखों करोड़ रुपए आए हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''पिछला दशक भारत के लिए बुनियादी ढांचे के विकास का दशक रहा है।''

मोदी की मौजूदगी में नीतीश ने पिछली बार राजग से बाहर होने का ठीकरा केंद्रीय मंत्री ललन पर फोड़ा

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से पिछली बार अलग होने का दोष अपने करीबी सहयोगी राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह पर मढ़ा, जो अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं। पिछले साल लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही भाजपा के साथ फिर से जुड़ने वाले कुमार ने यह बात प्रधानमंत्री की मौजूदगी में कही। जब मधुबनी जिले में एक समारोह के दौरान कुमार ने यह टिप्पणी की तब मंच पर ललन भी मौजूद थे। कुमार ने करीब तीन साल पहले राजग छोड़ने के समय भाजपा पर जद(यू) को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। नब्बे के दशक से भाजपा के साथ अपने संबंधों को याद करते हुए नीतीश कुमार ने कहा, ''हम शुरू से ही साथ थे।'' कुमार ने पहली बार 2013 में मोदी को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाए जाने के कारण राजग से नाता तोड़ा था। अगस्त 2022 में भाजपा के साथ दूसरी बार अपने अलगाव का जिक्र करते हुए, कुमार ने ललन की ओर मुड़कर कहा, ''यह मेरे पार्टी के सहयोगी थे, जो यहां बैठे हैं, जिन्होंने मुझे भटकाया।''

उम्मीद है कि सीमा हैदर को पाकिस्तानी नागरिकों से संबंधित सरकार के आदेश से रियायत मिलेगी: वकील

लखनऊ/भाषा। पाकिस्तान से नेपाल के रास्ते भारत पहुंची सीमा हैदर के वकील को उम्मीद है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद केंद्र सरकार के आदेश से उनकी मुवक्किल को रियायत मिलेगी। सीमा के वकील ए.पी. सिंह ने कहा कि उनकी मुवक्किल ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा के रहने वाले सचिन मीणा से शादी की है और हाल ही में एक बच्ची भारती मीना को भी जन्म दिया है इसलिये वह पाकिस्तानी नागरिक नहीं रह गयी हैं। उम्मीद है कि सीमा को सभी पाकिस्तानी नागरिकों के भारत छोड़ने के आदेश से छूट मिलेगी। सीमा के भारत आने के बाद से उसकी नागरिकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं में उसकी कानूनी सहायता कर रहे अधिवक्ता सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार का यह निर्देश सिर्फ उन लोगों पर लागू है जिनकी नागरिकता पाकिस्तान की है। उन्होंने कहा कि सीमा पाकिस्तानी नहीं है. वह भारत में हैं और भारतीय है। सिंह ने कहा कि महिला की नागरिकता पति के साथ जुड़ी होती है। अधिवक्ता ने कहा, ''सीमा का मामला इसलिये अलग है क्योंकि आतंकवाद रोधी दस्ता उसके बारे में पहले से ही जांच कर रहा है। मैंने उसके मामले में राष्ट्रपति के समक्ष याचिका दाखिल की है। सीमा पहले से ही जमानत पर है और वह इससे जुड़ी तमाम शर्तों का पालन कर रही है।''

रामलला के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर के पास मिलेगी पार्किंग की सुविधा

अयोध्या/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर के दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अयोध्या में एक पार्किंग के निर्माण का निर्णय लिया है। पार्किंग निर्माण की योजना पर काम शुरू हो गया है। यह पार्किंग मांझा जमथरा के समीप 35 एकड़ क्षेत्र में बनाई जाएगी। निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग की सीडी-2 इकाई करेगी। पार्किंग स्थल पर एक साथ 475 वाहन खड़े हो सकेंगे। इस सुविधा से न केवल श्रद्धालुओं की भीड़ को व्यवस्थित करने में मदद मिलेगी, बल्कि अयोध्या में यातायात प्रबंधन भी सुगम बनाया जा सकेगा। परियोजना में पांच मंजिला इमारत का निर्माण शामिल है, जिसमें दो 'डॉरमेट्री' और 13 दुकानें भी होंगी। एक बयान के मुताबिक श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के उद्घाटन के बाद अयोध्या में श्रद्धालुओं की संख्या में भारी वृद्धि हुई है और हर दिन लाखों लोग मंदिर दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं, जिसके कारण पार्किंग व यातायात व्यवस्था एक बड़ी चुनौती बन गई है।

पहलगाम हमला पाकिस्तान की साजिश : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने पहलगाम आतंकी हमले को बृहस्पतिवार को भारतीय गणराज्य के मूल्यों पर सीधा हमला करार दिया और कहा कि पाकिस्तान द्वारा रची गई इस साजिश के तहत हिंदू नागरिकों को निशाना बनाया गया ताकि भारत में भावनाएं भड़काई जा सकें।

पार्टी ने कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के बाद यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस गंभीर त्रासदी का फायदा उठाकर ध्रुवीकरण और विभाजन को बढ़ावा दे रही है। कार्यसमिति ने यह भी कहा कि 'सुरक्षा तंत्र की कमियों और व्यवस्थागत चूक' की जांच होनी चाहिए। पार्टी ने अपनी कार्यसमिति की बैठक के बाद यह भी कहा कि उन खुफिया विफलताओं और सुरक्षा खामियों का व्यापक विश्लेषण किया जाना चाहिए, जिनके कारण केंद्र शासित प्रदेश में इस तरह का हमला

हुआ। कार्यसमिति की बैठक में यह तय हुआ कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद बृहस्पतिवार शाम होने वाली सर्वदलीय बैठक में कांग्रेस की ओर से, संसद के दोनों सदनों के नेता प्रतिपक्ष शामिल होंगे। बैठक के बाद कांग्रेस के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कार्य समिति द्वारा पारित प्रस्ताव पढ़ा।

प्रस्ताव में कहा गया है, ''कांग्रेस कार्यसमिति 22 अप्रैल, 2025 को जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले पर गहरा शोक और कड़ी निंदा व्यक्त करती है। इस जघन्य हमले में 26 निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और 20 से अधिक गंभीर रूप से घायल हो गए। कार्यसमिति शोकसंतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करती है और इस गहन पीड़ा की घड़ी में उनके साथ पूरी तरह से एकजुटता के साथ खड़ी है।'' कार्यसमिति ने कहा कि यह कायराना और सुनियोजित आतंकी हमले की साजिश पाकिस्तान द्वारा रची गई और यह भारतीय गणराज्य के मूल्यों पर सीधा हमला है। उसने यह भी कहा कि हिंदू नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना पूरे देश में भावनाएं भड़काने की एक सोची-समझी साज़िश थी।

प्रस्ताव में कहा गया है, ''हम इस गंभीर उकसावे के बावजूद शांति बनाए रखने की अपील करते हैं और संकट की इस घड़ी में हमारी सामूहिक शक्ति को दोहराते हैं। कांग्रेस कार्यसमिति शांति की अपील करती है और सीमा-पार आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता और एकता के साथ लड़ने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दोहराती है।'' उसने कहा, ''कार्यसमिति उन स्थानीय खच्चर वालों और पर्यटक गाइडों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करती है, जिनमें से एक ने पर्यटकों की रक्षा करते हुए शहादत दी।''

शुभेंदु अधिकारी का बंगाल के बरुईपुर में 'संदिग्ध कश्मीरियों' के होने का दावा, पुलिस ने खारिज किया

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल पुलिस ने बृहस्पतिवार को राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी के उस दावे को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि दक्षिण 24 परगना के बरुईपुर में दो कश्मीरी संदिग्ध गतिविधियों में शामिल थे। पुलिस ने स्पष्ट किया कि संबंधित व्यक्ति मध्यप्रदेश के इंजीनियर हैं, जो राज्य में व्यवसाय के अवसर तलाश रहे हैं।

बरुईपुर पुलिस जिला ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि दो व्यक्तियों - एक हिंदू और एक मुस्लिम - ने बरुईपुर में किराए के अपने फ्लैट की छत पर वायरलेस नेटवर्क प्रणाली स्थापित की थी। उसने भाजपा नेता अधिकारी द्वारा जाहिर किये गए संदेह को भी सिरे से खारिज कर दिया। बरुईपुर पुलिस ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर जारी बयान में कहा, ''मध्यप्रदेश के रहने वाले दो व्यक्तियों में से एक हिंदू और दूसरा मुस्लिम है। उन्होंने करीब तीन सप्ताह पहले बरुईपुर में एक फ्लैट किराए पर लिया था। पेशे से इंजीनियर, वे एक स्थानीय मित्र के माध्यम से पश्चिम बंगाल में मछली पालन में व्यावसायिक अवसरों की तलाश कर रहे थे। उनके फ्लैट में एक साधारण जियोफाइबर नेटवर्क है, इसमें कुछ भी संदिग्ध नहीं है।''

पहलगाम हमले में पाकिस्तान का बचाव करने के आरोप में एआईयूडीएफ विधायक गिरफ्तार: हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले में पाकिस्तान और उसकी संलिप्तता का कथित तौर पर बचाव करने के लिए असम में विपक्षी दल ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम को बृहस्पतिवार को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। इस बीच, एआईयूडीएफ ने अमीनुल इस्लाम की टिप्पणियों से किनारा करते हुए कहा है कि ये उनके निजी विचार हैं, पार्टी के नहीं।

शर्मा ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने एक वीडियो देखा है, जिसमें एआईयूडीएफ विधायक पहलगाम हमले में पाकिस्तान और उसकी संलिप्तता का बचाव करते हुए नजर आ रहे हैं। मैंने पुलिस को कार्रवाई करने का निर्देश दिया था और डीजीपी (पुलिस महानिदेशक) ने मुझे सूचित किया है कि विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के मुताबिक, इस्लाम को नगांव जिले में उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। शर्मा ने कहा, विधायक को अदालत में पेश किया जाएगा और हम मामले को तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक शामिल थे।

शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया सहित किसी भी माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से पाकिस्तान का समर्थन करने के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस को ऐसा करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करने के सख्त निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि असम सरकार पाकिस्तान का बचाव करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

उन्होंने लिखा, असम सरकार उन सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी, जो पहलगाम में हुए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी हमले का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बचाव करने की जुर्रत करेंगे। स्पष्ट रूप से जान लें : जो लोग निर्दोष नागरिकों की क्रूर हत्या को जायज ठहराने, सामान्य बताने या कमतर आंकने का प्रयास करते हैं, वे अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं- वे भारत की आत्मा के खिलाफ बोल रहे हैं।

पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर केंद्र सरकार को और भी 'कठोर' फैसले लेने चाहिए थे : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि केंद्र सरकार को इस मामले में और भी 'कठोर' फैसले लेने चाहिए थे और उनका सख्ती से पालन कराने पर भी बात करनी चाहिए थी।

यादव ने यहां पार्टी के राज्य मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन के दौरान पहलगाम की घटना की निंदा करते हुए कहा कि सरकार इस मामले पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में लिए गए निर्णयों के बारे में पूछे गए एक सवाल पर यादव ने कहा, जो फैसले लिए गए हैं, उससे भी कठोर फैसले लेने चाहिए थे। कठोर फैसले ही नहीं बल्कि उन्हें कठोरता से लागू कैसे किया जाए, इस पर भी बात हो। केवल बयान न दिए जाएं। सर्वदलीय बैठक में हम अपना यह पक्ष और सुझाव रखेंगे।

सपा प्रमुख ने पाकिस्तान के साथ सिंधु जल समझौता समाप्त करने के भारत सरकार के फैसले की तरफ इशारा करते हुए कहा, सरकार ने जितने कठोर फैसले लिए हैं, उतने ही कठोर तरीके से उनका

पालन भी हो क्योंकि अगर पानी को रोकना है तो उसके लिए क्या आपके पास कोई व्यवस्था है? यह बहुत लंबी प्रक्रिया है। यादव ने कहा, हम घटना की निंदा करते हैं। सरकार आतंकवादियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे क्योंकि आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं होता। आतंकवादी किसी धर्म के नहीं होते। उनका मुख्य मकसद यही है कि डर पैदा करें और देश तथा प्रदेश के कारोबार को रोकें। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव दिल्ली में होने वाली सर्वदलीय बैठक में शामिल होंगे और पार्टी का पक्ष रखने के साथ-साथ सुझाव भी देंगे। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, किसी भी पार्टी को ऐसी घटना से राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहिए क्योंकि यह देश का सवाल है। यहां के लोग मिलकर साथ रहकर दुनिया के बराबर चलना चाहते हैं।

सिंधु जल संधि के निलंबन से पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था पर पड़ेगी तगड़ी मार: विशेषज्ञ

नई दिल्ली/भाषा। सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को निलंबित करने के भारत के फैसले से पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण जल डेटा साझाकरण बाधित होने, प्रमुख फसल मौसमों के दौरान पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति कम होने और कृषि क्षेत्र को भारी नुकसान होने की आशंका जताई है।

हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि सिंधु नदी जल संधि को निलंबित करने का दीर्घकालिक प्रभाव इस पर निर्भर करेगा कि पश्चिमी नदियों के पानी का पूर्ण उपयोग करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भारत को एक दशक या उससे अधिक समय लग सकता है।

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत सरकार ने दशकों पुरानी सिंधु जल संधि को निलंबित करने का फैसला किया है। 1960 में हस्ताक्षरित इस संधि के तहत पूर्वी नदियों- सतलज, ब्यास और रावी, भारत को आवंटित की गईं जबकि पश्चिमी नदियां- सिंधु, झेलम और चिनाब पाकिस्तान को सौंपी गई थीं। हालांकि इस संधि में एकतरफा निलंबन की अनुमति देने वाला कोई प्रावधान नहीं है।

ओडिशा में रह रहे घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई शुरू करेगी सरकार: मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में लंबे समय से रह रहे घुसपैठियों के खिलाफ सरकार जल्द ही कार्रवाई शुरू करेगी। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में हरिचंदन ने संवाददाताओं से कहा, '' घुसपैठियों की मौजूदगी के संबंध में मुख्यमंत्री के साथ चर्चा हो चुकी है और जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।'' पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए हरिचंदन ने कहा,'' उन्होंने (पाकिस्तानी आतंकवादियों ने) अपने ताबूत में आखिरी कील ठोक दी है। इसके परिणाम बहुत कठोर होंगे। यह पहली बार है कि आतंकवादियों ने घाटी में निहत्थे और निर्दोष पर्यटकों पर गोलियां बरसाई हैं। केंद्र सरकार और सभी राज्य पीड़ित परिवारों के साथ मजबूती से खड़े हैं।'' ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने पिछले महीने राज्य विधानसभा में कहा था कि राज्य भर में 3,738 घुसपैठियों की पहचान की गई है जिनमें से ज्यादातर बांग्लादेश से हैं।

कांग्रेस का कटाक्ष: जद (यू) की प्राथमिकता प्रधानमंत्री हैं

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने जनता दल (यूनाइटेड) के सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं होने के उसके फैसले को लेकर कटाक्ष करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि नीतीश कुमार की पार्टी की प्राथमिकता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

जद (यू) के प्रवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि पार्टी के नेता पूर्व व्यस्तताओं के कारण पहलगाम हमले को लेकर होने वाली सर्वदलीय बैठक में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन पार्टी सरकार के हर फैसले के साथ खड़ी है। प्रधानमंत्री मोदी की बिहार के मधुबनी में सभा थी जिसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जद (यू) के कई अन्य शीर्ष नेता मौजूद थे। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने पोस्ट किया, ''प्रधानमंत्री की प्राथमिकता चुनाव है। जद (यू) की प्राथमिकता प्रधानमंत्री हैं। आतंकी हमले पर सर्वदलीय बैठक का इंतजार हो सकता है।''

लोको पायलट अधिक काम करने के लिए मजबूर, काम के घंटों में हो रही हेरफेर : रेलवे जांच में खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा लोको पायलट के काम के घंटों पर की गई जांच में खुलासा हुआ कि चालक दल के अधिकारियों ने ट्रेन संचालन की सुरक्षा से समझौता करते हुए लोको पायलटों को 13 से 15 घंटे तक काम करने के लिए मजबूर किया।

नियमों के अनुसार, एक लोको पायलट को लगातार 11 घंटे से अधिक काम करने के लिए नहीं कहा जा सकता है। यह मामला तब प्रकाश में आया जब सिकंदराबाद (एससी)

मंडल के मालगाड़ी के लोको पायलट आर रविशंकर ने यह आरोप लगाते हुए ड्यूटी पर आने से इनकार कर दिया कि उन्हें आराम के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया गया। दक्षिण मध्य रेलवे मुख्यालय द्वारा 22 अप्रैल को जारी एक परिपत्र के मुताबिक, सीएमएस (चालक दल प्रबंधन प्रणाली) रिपोर्ट के अनुसार आर रविशंकर ने 13 घंटे 55 मिनट कार्य किया था और जब मंडलों के स्पष्टीकरण से तुलना की गई, तो यह पता चला कि लोको पायलट ने 15 घंटे काम किया है। परिपत्र के मुताबिक, आर रविशंकर (लोको पायलट) ने अपने वास्तविक कार्य घंटे 14:26 होने की पुष्टि की और आरोप लगाया कि सीएमएस में 14 घंटे से अधिक के मामलों की रिपोर्ट होने से बचने के लिए उनके कार्य घंटों में से 31 मिनट की कटौती की गई। रेलवे ने जब सीएमएस रिपोर्ट की जांच शुरू की तो यह देखकर हैरानी हुई कि दक्षिण मध्य रेलवे में 13 घंटे 55 मिनट से लेकर 14 घंटे (एक अप्रैल से 14 अप्रैल 2025) तक लोको पायलटों के काम करने के 620 मामले थे। परिपत्र में बताया गया, इतनी अधिक संख्या में मामले (13:55 से 14:00 के बीच काम के घंटे) दर्शाते हैं कि काम खत्म करके घर जाते समय लोको पायलटों को गलत समय दर्ज करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। एससीआर की जांच में विजयवाड़ा मंडल में 42, गुंटकल में 26, गुंटूर व नांदेड़ में तीन-तीन और हैदराबाद मंडल में एक मामला सामने आया, जहां लोको पायलट 13 घंटे 55 मिनट से लेकिर 14 घंटे तक काम करते थे। परिपत्र के मुताबिक, यह एक गंभीर अनियमितता है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए।

नीतीश कुमार ने पहलगाम हमले पर कहा: पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है

मधुबनी (बिहार)/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की बृहस्पतिवार को निंदा की और इस बात पर जोर दिया कि पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है।

मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में एक सरकारी समारोह में कुमार ने अपने राजनीतिक गठबंधन की फिर पुष्टि करते हुए कहा, ''मैंने पूर्व में गलती की है, लेकिन मैं हमेशा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के साथ रहूंगा।''

उन्होंने कहा, ''पहलगाम में हुए हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। यह एक जघन्य कृत्य था। हम सभी इसकी निंदा करते हैं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। हम आपके साथ हैं। पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एकजुट है।'' दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर आतंकवादियों ने हमला किया था, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। इनमें ज्यादातर पर्यटक थे। बिहार के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पूर्व में विपक्ष के साथ हाथ मिलाकर ''गलती'' की हैं। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा राजग के साथ रहूंगा। मैं पूर्व में 'इधर उधर' जाता रहा और 'गड़बड़ी' हुई। लेकिन अब, मैं राजग के साथ हूं और हमेशा गठबंधन के साथ रहूंगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''हमने 2005 में सरकार बनाई। पिछली राज्य सरकार ने पंचायतों के लिए कुछ नहीं किया था। यह खराब स्थिति में थी। जब हम सत्ता में आए, तो हमने 2006 में बिहार पंचायत राज अधिनियम में संशोधन किया, जिसके तहत गांव स्तर पर ग्राम पंचायत, ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद की स्थापना की गई।''

सुविचार

धैर्य, दृढ़ता और पसीना सफलता के लिए एक अपराजेय संयोजन बनाते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सख्त कार्रवाई के संकेत

पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने राजनयिक रिश्तों में कटौती करने के साथ ही सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर पाकिस्तान को कड़ा संदेश दिया है। देशवासी सिर्फ इसी से संतुष्ट नहीं हैं और पड़ोसी देश के खिलाफ सख्त कार्रवाई चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के मधुबनी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए स्पष्ट संकेत दे दिए कि उचित समय पर सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने अपने भाषण के दौरान कुछ पंक्तियां अंग्रेजी में भी बोलीं। उन शब्दों में दुनिया के लिए संदेश था कि अब भारत अपने दुश्मनों को मिट्टी में मिलाने का संकल्प ले चुका है। भारत सरकार ने अब तक जो कदम उठाए हैं, उनसे पाकिस्तान में खलबली मची हुई है। उसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने राष्ट्रीय सुरक्षा समिति की बैठक के बाद जो घोषणा की, वह दुर्योधन के बड़बोलेपन जैसी लगती है, जिसने खुद कभी मर्यादा का पालन नहीं किया, लेकिन दूसरों से इसकी उम्मीद रखता था। भारत ने अभी सिंधु जल संधि स्थगित की है। आने वाले दिनों में इसका असर दिखना शुरू हो जाएगा। यह कई जगह तो दिखना शुरू हो गया है। पाकिस्तान का शेयर बाजार थरथराने लगा है। वहां लोग जरूरत की चीजों का भंडारण करने लगे हैं। उन्हें अपनी सरकार और फौज पर भरोसा हो या न हो, लेकिन इस बात का पूरा भरोसा है कि भारत की ओर से तगड़ा वार होगा। उसका तरीका कोई भी हो सकता है। दिल्ली ने इस्लामाबाद को बता दिया है कि खून और पानी एकसाथ नहीं बह सकते। भारत ने सिंधु जल संधि का पूरा सम्मान किया, लेकिन पाकिस्तान ने हर बार पीठ में खंजर ही घोंपा। अब यह नहीं चलेगा।

भारत सरकार को अपने फैसले पर दृढ़ रहना होगा। पाकिस्तान इसके खिलाफ बहुत शोर मचाएगा। वह विश्व बैंक और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शिकायत कर सकता है। इसके अलावा चीन की ओर से दबाव बनाने की कोशिश कर सकता है। अगर भारत सरकार सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान को मिलने वाले पानी का आधा या एक चौथाई हिस्सा भी रोक लेती है तो इस पड़ोसी देश में त्राहि-त्राहि मच जाएगी। पाकिस्तान में करोड़ों लोग सिंधु नदी के पानी पर निर्भर हैं। जब भारत की ओर से पर्याप्त आपूर्ति नहीं होगी तो पाकिस्तान के खेत सूखने लगेंगे। इससे वहां खाद्यान्न और सब्जियों की कीमतें बढ़ेंगी। फसल नहीं होगी तो चारे की कमी होगी और दूध, दही, घी आदि महंगे हो जाएंगे। पाकिस्तान में हाल के वर्षों में आटे की भारी कमी होने से कई जगह लंबी-लंबी कतारें देखी गई थीं। इस बार ये कतारें और ज्यादा लंबी हो सकती हैं। वहां पेयजल का संकट बना रहता है। भविष्य में यह समस्या विकराल हो सकती है। अब भारत को जलसंग्रहण और वितरण के लिए ऐसी प्रणाली विकसित करनी होगी, जिससे सिंधु, झेलम और चिनाब का पानी हमारे किसानों के काम आए। भारत सरकार ने तो पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कदम उठाने शुरू कर दिए। अब नागरिकों को भी अपना योगदान देना होगा। सबसे पहले, सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी सेलिब्रिटी को फॉलो करना बंद करें। पाकिस्तान के कितने ही ड्रामे यूट्यूब के जरिए भारत में देखे जाते हैं। इससे उसे करोड़ों रुपए की कमाई होती है। हम अपने दुश्मन को मजबूत क्यों बना रहे हैं? इस समय पाकिस्तान के कई अभिनेता, अभिनेत्री और गायक इसलिए फिक्रमंद हैं, क्योंकि उनके लिए भारत में कमाई करने की उम्मीदों पर पानी फिरता नज़र आ रहा है। वे पहलगाम हमले के गुनहगारों के खिलाफ खुलकर लिखने-बोलने से बच रहे हैं। भारत में ऐसे कथित कलाकारों की भी कमी नहीं है, जो यह कहकर उनका पक्ष ले सकते हैं कि 'सिनेमा तो सरहदों से अलग होता है, लिहाज़ा यहां कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए।' ऐसे बयान पहले भी आते रहे हैं। हमारे लिए देशहित सर्वोच्च होना चाहिए। देश को सुरक्षित रखना और दुश्मन की साजिशों को नाकाम करना हम सबकी जिम्मेदारी है। सरकार का काम सरकार करेगी। जो काम हम अपने स्तर पर कर सकते हैं, वह जरूर करें।

ट्वीटर टॉक

भारत एक इतनी पुरानी सभ्यता, और इतना बड़ा देश है, जिसको ऐसी किसी भी आतंकी गतिविधियों से डराया नहीं जा सकता। ऐसी हरकतों का जवाब, इसके ज़िम्मेदार लोगों को, आने वाले कुछ ही समय में ज़ोरदार तरीक़े से नज़र आएगा।

-राजनाथ सिंह

राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की हार्दिक बधाई। लोकतांत्रिक व्यवस्था की गहरी जड़ें पंचायतों को सुदृढ़ता प्रदान करती हैं। सशक्त पंचायतें ही समृद्ध देश का निर्माण करती हैं। इस पावन अवसर पर शुभकामनाएं हैं कि पंचायतों की प्रगति यात्रा सतत गतिमान रहे।

-अर्जुनराम मेघवाल

पहलगाम आतंकी हमले में अपनी जान गंवाने वाले जयपुर के मालवीय नगर निवासी श्री नीरज उधवानी जी के निवास पहुंचकर उनके पार्थिव शरीर पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त कर ढांढस बंधाया।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

आस्था की दिशा

स्वामी रामकृष्ण परमहंस अपने एक शिष्य की आस्था की परीक्षा लेना चाहते थे। एक दिन उन्होंने शिष्य से पूछा, 'अच्छा बताओ, तुम्हारा विश्वास साकार पर है या निराकार पर?' शिष्य ने थोड़ी देर सोचने के बाद उत्तर दिया, 'महाराज, मुझे निराकार अधिक प्रिय है।' यह सुनकर स्वामी रामकृष्ण परमहंस प्रसन्न हो गए। उन्होंने मुस्कराते हुए कहा, 'बहुत अच्छा। किसी एक पर विश्वास दृढ़ हो, तो साधना सफल होती है। यदि तुम्हारा झुकाव निराकार की ओर है, तो उसी पर श्रद्धा रखो। परन्तु यह कभी मत कहना कि केवल निराकार ही सत्य है और साकार असत्य। यह समझो कि साकार भी सत्य है और निराकार भी। दोनों ही ईश्वर के स्वरूप हैं। तुम्हें जिस रूप में सहज अनुभूति हो, उसी का आश्रय लो।' गुरु के इन वचनों से शिष्य का मन शांत हो गया और वह निश्चिंत होकर अपनी साधना में और भी लगन से जुट गया।

सामयिक

पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में जिस तेजी से हिंदुओं की आबादी घटी क्या भारत में भी वैसा डाटा है। क्या भारत जैसी धार्मिक एवं सामुदायिक स्वतंत्रता पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं को रहीं या है। अगर ऐसा होता तो इनकी आबादी बढ़ने के बजाय घटती क्यों। कश्मीर से ही लाखों कश्मीरी पंडितों का पलायन क्या साबित करता है। फिर वहां से मुसलमानों का पलायन क्यों नहीं हुआ।

आतंकवाद का कब होगा समूल सफाया?

प्रभुनाथ शुक्ल

मोबाइल : 9450254645

भारत में हिंदुओं पर सामुदायिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दिया है। अपने ही देश में बहुसंख्य हिंदू हिंसक घटनाओं का शिकार हो रहा है। वैसे सामुदायिक और नस्लीय हिंसा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। लेकिन भारत के आसपास पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हमले और हिंसा बढ़ गए हैं। नेपाल जैसे देश में भी रामनवमी जुलूस पर हिंसा को अंजाम दिया गया। भारत के पड़ोसी इस्लामिक देश में हिंदुओं की स्थिति बद से बदतर है। जबकि ये कभी भारत के हिस्सा थे।यहाँ हिंदुओं पर लगातार धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा की घटनाएं भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। आतंकवाद से लड़ रहे भारत के सामने सामुदायिक हिंसा की घटनाएं बड़ी चुनौती बन रहीं हैं। सबसे अहम मुद्दा यह है कि अपने देश में ही हिंदू बाहुल्य होने के बाद भी हिंदू सामुदायिक हिंसा का शिकार बन रहा है। जबकि चीन में उइगर मुसमानों का दमन किसी से छुपा नहीं है, लेकिन चीन के खिलाफ पाकिस्तान, बांग्लादेश खामोश है। कश्मीर हुआ नरसंहार इसका ताज़ा उदाहरण है। भारत में इस तरह की हिंसा के पीछे वोटबैंक के लिए राजनैतिक तुष्टिकरण सबसे बड़ी समस्या है।

भारत में हिंदुओं पर हिंसक हमले इस्लामिक आतंकवाद की एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो रहा है जबकि अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी गिनती पर आ गईं है। भारत में इस तरह के सामुदायिक और धार्मिक दंगे भड़काने के लिए पाकिस्तान मूल रूप से जिम्मेदार है। लेकिन हम इस तरह की बात कर अपनी जिम्मेदारी से बच भी नहीं सकते हैं। भारत इस्लामिक आतंकवाद से तो हमेशा से पीड़ित रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनैतिक कारणों और उसके फैसलों से देश में सामुदायिक हिंसा, प्रदर्शन और पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ गईं हैं। दोनों समुदायों में एक दूसरे के प्रति नफरत और डर का माहौल पैदा हुआ है। इस तरह की सामुदायिक हिंसा के पीछे सामाजिक, आर्थिक, राजनीति, सोशलमीडिया और धार्मिक कारण मुख्य हैं, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं देश के धार्मिक और सांप्रदायिक तानेबाने को विभाजित करती दिखती हैं।

जम्मू -कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने सिर्फ हिंदुओं को निशाना बनाया और उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोलीबारी मारी। हालांकि की कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। कश्मीर में इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिंदू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए दो स्थानीय मुस्लिम और ईसाई, जैन भी मारे गए है। मीडिया का यह रुख गलत है। पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। आतंकियों को फांसी देने की भी बात कहीं गईं है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी किया है।

इस साजिश के पीछे हाल में पाकिस्तान आर्मीचीफ जनरल कियानी की तरफ से भारत और हिंदुओं के खिलाफ दिया गया वह उसकाऊ बयान भी अहम माना जा रहा है जिसमें उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ भड़काने वाला बयान दिया था। कियानी के बयान के ठीक कुछ दिन बात पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है जिसमें पर्यटकों का धर्म पूँछ कर नरसंहार किया गया। यह पाकिस्तान की सोची समझी रणनीति है, क्योंकि वह भारत से सीधीजंग में कभी नहीं जीत सकता है। ऐसी स्थिति में वह हिंदुओं को निशाना बनाकर भारतीय मुसलमानों का मसीहा बनना चाहता हैएवं कश्मीर में अलगाववाद की नींव और मजबूत करना चाहता है। खैबरपखतून में बलोच आर्मी की तरफ से किए ट्रेन हाईजैक के पीछे वह भारत का हाथ मानता है। जिसकी वजह से वह बौखलाया था और बदले के लिए बेताब था। लेकिन वह जो कर रहा है उसकी भरपाई उसे करनी होगी।

कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर आहिस्ता -आहिस्ता विकास की मुख्यधारा में लौट रहा है। आतंकी घटनाएं कम हुईं हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। सेबों की खेती लहलाहने लगी है। यह सब देख पाकिस्तानी फ़ौज में बौखलाहट है जिसकी वजह से वह इस तरह की सामुदायिक हिंसा की साजिश रच रहा है। कश्मीर में सामुदायिक हिंसा की यह पहली घटना नहीं है।

आतंकवादियों ने पुलवामा जैसी घटनाओं को अंजाम दिया है। कश्मीर में साल 2019 के बाद धारा 370 लागू होने के बाद यह पहली सबसे बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना है। दूसरा समझे अहम कारण कश्मीर के राजनैतिक और अलगाववादी कभी शान्ति और विकास नहीं चाहते हैं। क्योंकि धारा 370 खत्म होने के बाद उनकी तमाम स्वतंत्रता जहाँ बाधित हुईं वहीं आर्थिक नुकसान हुआ है। वहां के राजनेताओं और अलगाववादियों का पाकिस्तान प्रेम दुनिया में जगजाहिर है। इसके बावजूद धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून और वक्फ संशोधन जैसे राजनैतिक फैसले इस आग में घी का काम किया है। हालांकि यह आम मुसलमानों और कश्मीरियों की सोच नहीं है। यह सिर्फ अलगाववादियों की सोच है।

पहलगाम में हिंदुओं के साथ विदेशी नागरिक और नेवी में कार्यरत जवान की भी मौत हुई है। जोड़ा शादी के बाद हनीमून मानाने गया था जो निर्मम आतंकी साजिश का शिकार हुआ है। नरसंहार के बाद भारतीय सेना के लोगों के पहुंचने के बाद भी लोग इतने दहशत में थे कि उन्हें भी आतंकी समझ लिया। इस घटना में केंद्र और राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जब वहां काफी तादात में पर्यटकों की आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेना और राज्य पुलिस के जवानों की तैनाती क्यों नहीं की गईं। क्योंकि एलओसी से सटे कश्मीरी जिलों में आतंकवाद खूब फलता -फूलता रहा है।

कियानी के विभाजनकारी संदेश को हमारी सरकार, ख़ुफ़िया एजेंसियाय और सुरक्षा एजेंसिया नहीं समझ पाईं। ऐसे संवेदनशील पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम होने चाहिए थे। क्योंकि यह इलाका काफी ऊंचाई पर है जहाँ का प्राकृतिक लुत्फ़ उठाने के लिए भारी तादात में देशी- विदेशी पर्यटक आ रहे थे। यह इलाका एलओसी से सटा है और प्राकृतिक जाटिलताओं से भरा है। ऊँचे पहाड़, नदिया घने -जंगल, देवदार और चीड़ के पेड़ यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता को और बढ़ाते हैं। यहाँ आतंकवादियों की पहुँच जटिल होने के बाद लेकिन सुगम है। यहाँ की संवेदनशीलता को देखते हुए अगर हमारी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क होती तो निश्चित रूप से इस नरसंहार से बचा जा सकता था। राज्य में इस तरह की घटनाएं पर्यटन उद्योग और उसकी संभावनाओं पर पानी फेरती हैं। हम अपनी चूक और नाकामियों से नहीं बच सकते। यह गंभीर मंथन का विषय है। कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर हमें सुरक्षा व्यवस्था को सख्त रखना होगा। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह हमला भारत की आत्मा पर है यह राजनीति का वक्त नहीं है। सारा देश गुस्से में है। रणनीति बनाकर पाकिस्तान और आतंकवाद को सबक सिखाने की जरूरत है।

कश्मीर के पूर्व बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन कानून के विरोध में हिंदुओं को जिस तरह निशाना बनाया गया वह किसी से छुपा नहीं है। इसके अलावा रामनवमी जुलूस पर महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश भी सुनियोजित तरीके से हिंदुओं पर हमले हुए। उत्तर प्रदेश में संभल किसी से छुपा नहीं है। वहां किस तरह हिंदुओं का उत्पीड़न हुआ उसे कौन नहीं जानता। हिंसक हमलों में उनकी संपत्तियों और मंदिरों को नष्ट किया गया। हालांकि मुस्लिम इलाकों में भी हिंदुओं का स्वरुप देखने को मिला जहाँ मस्जिदों को निशाना बनाया गया। उनपर चढ़ कर धार्मिक नारेबाजी की गईं। पश्चिम बंगाल राज्य में हिंदुओं को पलायित होना पड़ा। पीड़ित हिंदू बंगाल पुलिस की मदत के लिए चिल्लाते रहे लेकिन कोई सुरक्षा नहीं मिली। बाद में बंगाल उच्च न्यायालय के आदेश के बाद हिंसा प्रभावित इलाके में केंद्रीय बल पंहुचा।

लोकतंत्र की शपथ लेने वाली राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी क्या कर रहीं थीं। हिंदुओं के खिलाफ इस तरह की हिंसा को राज्य सरकार क्यों बर्दास्त करती रही। केंद्र सरकार ने खुद क्यों नहीं हिंसा का संज्ञान लेकर केंद्रीय बल भेजा। क्या सिर्फ हिंदुओं की लाशों पर सियासत करना ही हमारा धर्म है। अहम बात जब बंगाल की मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया था कि राज्य में वक्फ कानून लागू नहीं होगा फिर क्यों हिंसा फैली। हिंसा के बाद मुख्यमंत्री मौलानाओं से बातचीत कर सकती हैं, लेकिन पीड़ित हिंदुओं का हाल लेने घटना स्थल पर तत्काल क्यों नहीं पहुँची। बंगाल से अवैध बांग्लादेशी और रोहिंग्या को क्यों नहीं निकला जा रहा। केंद्र, राज्य सरकार के साथ हमारी सुरक्षा एजेंसिया क्या कर रहीं। क्या बांग्लादेशियों का अवैध प्रवास सिर्फ चुनावी मसला है।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में जिस तेजी से हिंदुओं की आबादी घटी क्या भारत में भी वैसा डाटा है। क्या भारत जैसी धार्मिक एवं सामुदायिक स्वतंत्रता पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं को रहीं या है। अगर ऐसा होता तो इनकी आबादी बढ़ने के बजाय घटती क्यों। कश्मीर से ही लाखों कश्मीरी पंडितों का पलायन क्या साबित करता है। फिर वहां से मुसलमानों का पलायन क्यों नहीं हुआ। भारत -पाकिस्तान के विभाजन के बाद पाकिस्तान में हिंदुओं की आबादी 23 फीसदी थी अब 3.7 फीसदी रह गईं। लगातार वहां हिंदुओं की आबादी घट रहीं है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 1951 में बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी 22 फीसदी थी, ज अब 8 फीसदी से कम हो गई।

हम यह भी नहीं कहते हैं कि भारत में मुसलमानों के खिलाफ लिंचिंग की घटनाएं नहीं हुईं हैं, लेकिन जैसा हिन्दुस्थान में हिंदुओं के साथ हो रहा वैसा नहीं। वैसे अमेरिका में भी हिंदुओं और सिखों के खिलाफ नस्लीय हिंसा हुईं है। हिंदुओं के मंदिरों को भी निशाना बनाया गया है। नस्लीय टिप्पणीयां हुईं हैं, लेकिन पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसी नहीं। हमें इस तरह की सामुदायिक हिंसा से बचना होगा। राजनैतिक लाभ लेने के लिए देश को हिंदू -मुसलमान में बांटना ठीक नहीं। इससे देश की एकता, अखंडता कमजोर होगी। साम्प्रदायिक हिंसा को किसी भी तरीके का राजनैतिक संरक्षण नहीं मिलाना चाहिए। नफ़रती बयानबाजी और सोशलमीडिया पर फ़ैलते भड़काऊ वीडियो और संदेश पर कड़ाई से प्रतिबन्ध लागू होना चाहिए। देश, संसद और उसकी संवैधानिक संस्थाएं जाति, धर्म और समुदाय से सर्वोपरी हैं। हमें उनका सम्मान करना होगा। हमें किसी कानून या बिल से असहमति है तो देश में अदालत और कानून भी है। हिंसा और अपनी तागत दिखाने के बजाय हमें ऐसी संस्थाओ का सम्मान करना होगा। हमारे लिए देश सर्वोपरि है।

नजरिया

पहलगाम आतंकी हमला

राजनीति करने का नहीं, रणनीति तय करने का समय

संदीप सृजन

मोबाइल : 9406649733

पहलगाम का बैसरन घाटी, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' के नाम से जाना जाता है, एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। यहाँ हुए हमले की टाइमिंग कई मायनों में महत्वपूर्ण है। सबसे पहले, यह हमला तब हुआ जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर थे। दूसरा, यह अमरनाथ यात्रा के शुरू होने से ठीक पहले हुआ, जो कश्मीर में पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों का प्रमुख समय होता है। तीसरा, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर के हालिया बयान, जिसमें उन्होंने कश्मीर को पाकिस्तान की 'जुगुलर वेन' (जीवन रेखा) बताया था, ने इस हमले को एक सुनियोजित भू-राजनीतिक कदम के रूप में देखने का आधार दिया।

इस हमले का तरीका भी चिंताजनक है। आतंकियों ने पर्यटकों को निशाना बनाया, उनकी धार्मिक पहचान पूछी, और हिंदू नामों वाले लोगों पर गोलियां चलाईं। यह रणनीति न केवल सांप्रदायिक तनाव को भड़काने की कोशिश थी, बल्कि कश्मीर के पर्यटन उद्योग को नुकसान पहुंचाने और भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धूमिल करने का प्रयास भी था। यह हमला 2000 के छत्तीसिंहपुरा नरसंहार और 2023 में हमास द्वारा इजरायल पर किए गए हमले की याद दिलाता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय आतंकी गठजोड़ की आशंका बढ़ी है।

पहलगाम हमले को राजनीतिक चश्मे से देखने की प्रवृत्ति स्वाभाविक है, खासकर तब जब भारत में हर घटना को सत्तारूढ़ और विपक्षी दलों के बीच वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा जाता है। कुछ नेताओं ने इस हमले को धार्मिक आधार पर सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की, जबकि अन्य ने सरकार की सुरक्षा नीतियों पर सवाल उठाए। हालांकि, इस दृष्टिकोण से केवल अल्पकालिक राजनीतिक लाभ हो सकता है, लेकिन यह दीर्घकालिक रणनीतिक अवसरों को नजरअंदाज करता है।

यह हमला भारत के लिए एक रणनीतिक अवसर है सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने का पहलगाम हमले ने भारत की सुरक्षा व्यवस्था में खामियों को उजागर किया। खुफिया जानकारी की कमी, पर्यटक स्थलों पर अपर्याप्त सुरक्षा, और आतंकियों की घुसपैठ की आसानी ने सवाल उठाए। यह भारत के लिए अपनी खुफिया एजेंसियों, जैसे रॉ और आईबी, को और सशक्त करने का अवसर है। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और अन्य आतंकवाद-रोधी इकाइयों को पर्यटक स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में स्थायी रूप से तैनात करने की रणनीति पर विचार किया जा सकता है। इसके अलावा, ड्रोन और सैटेलाइट निगरानी जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग बढ़ाया जा सकता है।

इस हमले की निंदा अमेरिका, ब्रिटेन, और यहां तक कि तालिबान ने भी की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को आतंकवाद के खिलाफ पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह वैश्विक मंच पर पाकिस्तान को आतंकवाद के प्रायोजक के रूप में और अधिक उजागर करे। संयुक्त राष्ट्र और फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) जैसे मंचों पर भारत अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज कर सकता है। साथ ही, हमास और लश्कर-ए-तैयबा जैसे संगठनों के बीच संभावित गठजोड़ की जांच के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाया जा सकता है। भारत ने हमले के तुरंत बाद कड़े कदम उठाए। कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (उउड) की बैठक में 65 साल पुरानी सिंधु जल संधि को रद्द करने और अटारी सीमा पोस्ट को बंद करने जैसे फैसले लिए गए। यह भारत की 'पानी की चोट' रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था और कृषि पर दबाव डालना है। इसके अलावा, भारत ने पाकिस्तानी नागरिकों के लिए वीजा सेवाएं रोक दीं, जो एक सांकेतिक कदम है। यह रणनीति पाकिस्तान को आर्थिक और कूटनीतिक रूप से अलग-थलग करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

पहलगाम हमला कश्मीर में हाल के वर्षों में स्थापित शांति और पर्यटन की प्रगति को नुकसान पहुंचाने का प्रयास है। यह भारत के लिए एक अवसर है कि वह कश्मीर में विकास परियोजनाओं, जैसे रेलवे और सड़क नेटवर्क, को और तेज करे। साथ ही, स्थानीय युवाओं को रोजगार और शिक्षा के अवसर प्रदान करके आतंकवाद के प्रति उनकी उदासीनता को और बढ़ाया जा सकता है। कश्मीरियों के बीच भारत के प्रति विश्वास को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जा सकता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति की बात दोहराई। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की मौजूदगी में हुई उच्च-स्तरीय बैठकों में थल, जल, और वायु सेना के विकल्पों पर चर्चा हुई। यह भारत के लिए सर्जिकल स्ट्राइक या अन्य लक्षित कार्रवाइयों के माध्यम से आतंकी ठिकानों को नष्ट करने का अवसर है। साथ ही, सीमा पर घुसपैठ को रोकने के लिए और सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। रणनीतिक अवसरों का लाभ उठाने के लिए भारत को कई चुनौतियों का सामना करना होगा। पहला, आंतरिक राजनीतिक मतभेद इस प्रक्रिया को जटिल बना सकते हैं। विपक्षी दलों द्वारा हमले को सरकार की विफलता के रूप में चित्रित करना रणनीतिक एकजुटता को कमजोर कर सकता है। दूसरा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय से निरंतर समर्थन प्राप्त करना कठिन हो सकता है, खासकर तब जब पाकिस्तान अपने कूटनीतिक प्रयासों को तेज करेगा। तीसरा, कश्मीर में स्थानीय आबादी के बीच विश्वास बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इस तरह के हमले सांप्रदायिक तनाव को बढ़ा सकते हैं।

पहलगाम आतंकी हमला एक दुखद घटना है, लेकिन इसे केवल राजनीतिक दृष्टिकोण से देखना भारत के दीर्घकालिक हितों को नुकसान पहुंचा सकता है। यह हमला भारत के लिए अपनी सुरक्षा, कूटनीति, और सैन्य रणनीति को और मजबूत करने का अवसर प्रदान करता है। पाकिस्तान को आतंकवाद के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए भारत को आर्थिक, कूटनीतिक, और सैन्य दबाव बढ़ाना होगा। साथ ही, कश्मीर में शांति और विकास को प्राथमिकता देकर आतंकवाद के मूल कारणों को संबोधित करना होगा। यह समय है कि भारत इस त्रासदी को एक रणनीतिक अवसर में बदल दे, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके और कश्मीर में स्थायी शांति स्थापित हो सके।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला पहला देश हो सकता है भारत : बेसेंट

न्यूयार्क/वाशिंगटन/भाषा। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने उम्मीद जतायी है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जवाबी शुल्क से बचने के लिए भारत पहला देश हो सकता है जो हमारे साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता करेगा।

अमेरिका ने भारतीय निर्यात पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क लगाया लेकिन बाद में इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया गया है। यह अवधि आठ जुलाई को समाप्त होने वाली है। हालांकि, अन्य देशों की तरह, भारत पर वर्तमान नीति के तहत 10 प्रतिशत शुल्क लागू है।

अखबार न्यूयार्क पोस्ट के अनुसार, बेसेंट ने बुधवार को कुछ संवाददाताओं के साथ एक गोलमेज बैठक में कहा कि भारत के साथ व्यापार वार्ता सफल रूप से निष्कर्ष पर पहुंचने के 'बहुत करीब' है। इसका कारण दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश ने कोई बहुत ज्यादा शुल्क नहीं लगाया हुआ है।

बेसेंट ने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की वार्षिक बैठकों के दौरान एक कार्यक्रम में कहा, ''भारत में गैर- शुल्क व्यापार बाधाएं कम हैं। साथ ही यह भी साफ है कि मुद्रा के स्तर पर कोई गड़बड़ी नहीं है, सरकारी सब्सिडी है, लेकिन वह बहुत कम है। इसलिए भारत के साथ समझौता करना बहुत आसान है।''

न्यूयार्क पोस्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप ने मांग की है कि अन्य देश अमेरिकी वस्तुओं पर अपने शुल्क और गैर-शुल्क बाधाओं को हटायें और अमेरिकी व्यापार घाटे को समाप्त करें।

इससे पहले, मंगलवार को जयपुर में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 'समृद्ध और शांतिपूर्ण' 21वीं सदी के लिए दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का एक व्यापक खाका पेश करते हुए भारत से गैर-शुल्क बाधाओं को हटाने, अपने बाजारों तक अधिक पहुंच देने और अधिक अमेरिकी ऊर्जा तथा सैन्य हार्डवेयर खरीदने का आग्रह किया।

अखबार ने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि फरवरी तक अमेरिका में आयातित वस्तुओं में भारत की हिस्सेदारी करीब तीन प्रतिशत थी। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि कार्यालय के अनुसार, 2024 में भारत के साथ अमेरिका का व्यापार घाटा 45.7 अरब डॉलर था।

प्रदर्शन

आतंकवाद विरोधी कार्रवाई मंच के सदस्य गुरुवार को नई दिल्ली में पाकिस्तान उच्चायोग के पास पहलगाम आतंकी हमले के बाद विरोध प्रदर्शन करते हुए।

'भूल चूक माफ' का दूसरा गाना 'चोरी बाजारी' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

राजकुमार राव और वामिका गब्बी की आने वाली फिल्म भूल चूक माफ का दूसरा गाना चोरी बाजारी रिलीज हो गया है। करण शर्मा निर्देशित और दिनेश विजन की कंपनी मैडॉक फिल्म्स द्वारा निर्मित फिल्म भूल चूक माफ़ में राजकुमार राव और वामिका गब्बी ने मुख्य भूमिकायें निभाई हैं। इस फिल्म का गाना चोर बाज़ारी रिलीज हो गया है। प्रीतम और तनिष्क बागची द्वारा रचित इस गीत को इरशाद कामिल ने लिखा है। सुनिधि चौहान और नीरज श्रीधर की दमदार आवाज़ें इस गाने में ऊर्जा लाती हैं, जबकि ज़हरा एस खान और तनिष्क बागची ने अपनी धुनों के साथ इसे एक गतिशील साउंडस्केप बना दिया है। राजकुमार राव ने कहा, चोर बाजारी फिर से एक बेहतरीन वाइब है। यह रंजन और तितली के बीच की केमिस्ट्री को बखूबी दर्शाता है। इसे फिल्माना एक धमाकेदार अनुभव था और मैं दर्शकों को संगीत के साथ उस ऊर्जा और वाइब को महसूस करने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। वामिका गब्बी ने कहा, चोर बाजारी फिर से एक बेहतरीन वाइब है। इसमें ड्रामा है, डांस है और तितली की तरह हर बीट में एक मजेदार शरारत है। मुझे लगता है कि दर्शकों को यहाँ रंजन और तितली के समीकरण का एक बहुत ही प्यारा पक्ष देखने को मिलेगा।

सुनिधि चौहान ने कहा, इस रचना में कुछ अनूठा आकर्षक है। यह आपको तुरंत अपनी ओर खींच लेता है और इससे पहले कि आप इसे महसूस करें, आप हर बार जब यह बजता है तो गुनगुनाते हैं और अपने पैर थिरकाने लगते हैं! मैं 'चोर बाजारी फिर से' का हिस्सा बनकर बहुत उत्साहित हूं। गीत के संगीतकार, गायक और संगीत निर्माता तनिष्क बागची ने साझा किया, 'चोर बाजारी फिर से' के साथ हम कुछ ऐसा देना चाहते थे जो ताज़ा होने के साथ-साथ पुरानी यादों को भी ताजा रखे, पारंपरिक और समकालीन का मिश्रण। व्यवस्था में आधुनिक बीट्स को शास्त्रीय तत्वों के साथ जोड़ा गया है, जो मुझे लगा कि फिल्म की कहानी को खूबसूरती से पूरक बनाता है। प्रतिभाशाली टीम के साथ काम करने से ट्रैक में बिल्कुल सही चिंगारी लाने में मदद मिली। गीतकार इरशाद कामिल ने बताया, 'चोर बाजारी फिर से' के बोल रंजन और तितली के बीच चंचल और थोड़े शरारती रोमांस को दर्शाते हैं। हम सभी ने मिलकर यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया है कि यह गीत वास्तव में उनके रिश्ते के वाइब को कैप्चर करे, यह मज़ेदार और अनोखा है और मुझे उम्मीद है कि जो कोई भी इसे सुनेगा, वह इसे पसंद करेगा। फिल्म भूल चूक माफ, नौ मई 2025 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

विश्व बैंक, मुद्राकोष के कामकाजी तरीकों से अमेरिकी वित्त मंत्री नाखुश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के कामकाजी तरीकों की कड़ी आलोचना करने के साथ ही यह आश्वस्त करने की कोशिश की कि अमेरिका वैश्विक नेतृत्व में अपनी भूमिका बनाए रखेगा। बेसेंट ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय वित्त संस्थान में अपने संबोधन में कहा, अमेरिका पहले का मतलब केवल अमेरिका नहीं है, बल्कि इसके उलट यह व्यापार भागीदारों के बीच गहरे सहयोग और आपसी सम्मान की जरूरत को बताता है।

बेसेंट ने बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों आईएमएफ और विश्व बैंक को दायित्वों की पूर्ति के लिहाज से 'नाकाफी' बताया। हालांकि उन्होंने इन संस्थानों से अमेरिका के अलग होने की कोई बात नहीं की। उन्होंने कहा कि ये संस्थान अंतरराष्ट्रीय प्रणाली में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, और ट्रंप प्रशासन उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक है, बशर्ते वे अपने मिशन को लेकर ईमानदार बने रहें। हालांकि अमेरिकी वित्त मंत्री की नीतिगत स्पष्टता प्रदान करने की यह नई कोशिश भी राष्ट्रपति डोनाल्ड टंरप के रुख से उलट नजर आई।

बुधवार को ही ट्रंप ने यह सुझाव दिया कि यदि संबंधित देशों के साथ शुल्क दरों को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ तो वह शुल्क दरों का चयन करेंगे। इसके साथ ही ट्रंप ने कनाडा से वाहनों के आयात पर कर बढ़ाने की धमकी दी। इस बीच बेसेंट ने चीन पर लगाए गए भारी अमेरिकी शुल्क को आधा किए जाने के बारे में चर्चा होने से संबंधित मीडिया रिपोर्ट पर आश्चर्य जताया। हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि अमेरिका और चीन के बीच व्यापार संघर्ष में कमी आएगी। उन्होंने आईएमएफ और विश्व बैंक के खिलाफ व्यापक हमला करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन इन संस्थानों में अमेरिकी नेतृत्व और प्रभाव का लाभ उठाएगा और उन्हें अपने महत्वपूर्ण दायित्वों को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगा।

इजराइल के राजदूत अजार ने पहलगाम हमले की तुलना हमास के सात अक्टूबर के हमले से की

नई दिल्ली/भाषा। भारत में इजराइल के राजदूत रियुवेन अजार ने बृहस्पतिवार को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की तुलना सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले से की, जिसमें नागरिकों को निशाना बनाया गया था। उन्होंने दोनों हमलों में समानताएं बताईं और आतंकवादी समूहों के बीच बढ़ते समन्वय को लेकर आगाह किया।

इजराइल में हमास द्वारा किए गए हमले में 1,100 से अधिक लोगों की मौत के मामले का जिक्र करते हुए अजार ने दोनों मामलों में निहत्थे नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाए जाने की ओर इशारा किया।उनकी यह टिप्पणी मंगलवार दोपहर को दक्षिण कश्मीर के लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले को लेकर आई है, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर अन्य राज्यों से आए पर्यटक थे। अजार ने 'पीटीआई वीडियो' को बताया, ''दुर्भाग्य से, हमें यह स्वीकार करना होगा कि ये आतंकवादी समूह एक-दूसरे को प्रेरित कर रहे हैं। पहलगाम हमले और सात अक्टूबर (2023) को इजराइल में जो हुआ, उसके बीच समानताएं हैं। निर्दोष पर्यटक पहलगाम में अपनी छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, जबकि इजराइल में लोग एक संगीत समारोह का लुत्फ उठा रहे थे।''

संबोधन

पीड़ितों के परिवार के सदस्य हेमंत जोशी, संजय लेले और अतुल मोने ने गुरुवार को ठाणे के डोंबिवली में हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले की पृष्ठभूमि में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

मां का प्रेम सीमाओं से परे होता है : सायली सालुंखे

मुंबई/एजेन्सी

सोनी सब के शो वीर हनुमान में देवी अंजनी की भूमिका निभा रही सायली सालुंखे का कहना है कि मां का प्रेम सीमाओं से परे होता है और वह जीवन और मृत्यु की रेखा तक को पार कर सकता है। सोनी सब का शो 'वीर हनुमान' एक भावनात्मक और प्रेरणादायक प्रस्तुति है, जो बाल मारुति के असाधारण रूपांतरण की कहानी है। आगामी एपिसोड्स में दर्शक एक बेहद भावुक मोड़ देखेंगे, जब अंजनी निःस्वार्थ भाव से अपनी आत्मा पाताल काली को समर्पित कर देती हैं। सिर्फ अपने पुत्र को उसके वास्तविक रूप में लौटाने के लिए। वह इसके लिए अपना जीवन त्यागने को तैयार हो जाती है। जब भगवान हनुमान को इस बलिदान का ज्ञात होता है, वे पाताल लोक की ओर प्रस्थान करते हैं, राक्षसों से भीषण युद्ध करते हैं, जिससे अपनी मां को बचा सकें। शो में देवी अंजनी की भूमिका निभा रही सायली सालुंखे ने कहा, मां का प्रेम सीमाओं से परे होता है। वह जीवन और मृत्यु की रेखा तक को पार कर सकता है। जैसे अंजनी अपने प्राणों का बलिदान देने को तैयार थीं, वैसे ही हर मां में वह शक्ति होती है कि वह किस्मत को चुनौती दे, असंभव को संभव बनाए और अपने बच्चे की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सके। अंजनी ने अनजाने भविष्य की ओर कदम बढ़ाया, और उसी तरह हर मां अपने बच्चे के लिए असाधारण साहस की शक्ति पा लेती है। यही मां के प्रेम की ताकत है। वह भाग्य को मात देता है और त्याग व साहस की अपनी कहानी खुद लिखता है। 'वीर हनुमान' सोमवार से शनिवार, रात 7:30 बजे, केवल सोनी सब पर प्रसारित होता है।

ज़ी सिनेमा पर होगा 'युधरा' का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर

मुंबई/एजेन्सी

एक्शन थ्रिलर फिल्म 'युधरा' का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर ज़ी सिनेमा पर 27 अप्रैल को होगा। फिल्म 'युधरा' में सिद्धांत चतुर्वेदी, मालविका मोहनन, राघव जुयाल, राम कपूर और गजराज राव जैसे शानदार कलाकार नज़र आएंगे। निर्देशक रवि उद्यावर ने कहा, युधरा असल में एक रॉ और दमदार बदले की कहानी है। जब मैंने इसकी बुनियादी कहानी सुनी, तभी समझ गया था कि ये एक मजबूत नींव है जिस पर फिल्म को खड़ा किया जा सकता है। ये एक ऐसे नौजवान की कहानी है जो गुस्से और आक्रोश से भरा हुआ है, उसे काबू में नहीं रख पाता और फिर उसके क्या नतीजे होते हैं, यही फिल्म दिखाती है। ये फिल्म इंटेंस है, रॉ है और बहुत ही इमोशनल भी है। मुझे उस वक्त बेसब्री इंतजार है जब लोग 27 अप्रैल को इसे ज़ी सिनेमा पर देखेंगे। सिद्धांत ने कहा,, मैं हमेशा से एक दमदार एक्शन फिल्म करना चाहता था, और युधरा ने मुझे वो मौका दिया।ये फिल्म जबर्दस्त है । तेज़ रफ्तार, रोमांच से भरपूर और आपको हर पल सीट से बांधे रखती है। मैंने इसे अपना पहला बड़ा सोलो एक्शन प्रोजेक्ट माना और इसमें पूरी जान लगा दी। युधरा एक ऐसा किरदार है जो बेखौफ है, जिसे खोने का डर नहीं, बेहद चालाक है, खतरनाक है और अपने बीते कल

से प्रभावित है। अब बस इंतज़ार है कि सब इसे ज़ी सिनेमा पर देखें।

मालविका मोहनन ने कहा,युधरा में एक्शन करना मेरे लिए एक मज़ेदार चुनौती थी। मुझे डांस हमेशा से पसंद है, लेकिन स्टंट्स ने मेरे अंदर का एक नया रूप बाहर लाया। सिड ने इस दौरान मुझे बहुत सपोर्ट किया। वो हमेशा कहता रहता है कि मुझे इसके बारे में ज़्यादा बात करनी चाहिए क्योंकि उसे मुझ पर गर्व है। आज भी ऐसे महिला किरदार बहुत कम होते हैं जो मज़बूत भी हों, सच्चे भी लगें और फिर भी अपनी नर्मी को बनाए रखें। मेरे दोस्त तो मुझे मज़ाक में 'फीमेल ब्रूस ली' भी कहने लगे हैं!

शाह बानो का किरदार निभाएगी यामी गौतम!

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम सिल्वर स्क्रीन पर शाह बानो का किरदार निभाती नजर आ सकती है। इस साल 1985 के सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले मोहम्मद अहमद खान बनाम शाह बानो बेगम को 40 साल पूरे हो रहे हैं । यह फैसला भारत के सबसे चर्चित और विवादित फैसलों में से एक रहा है। मध्य प्रदेश के इंदौर की शाह बानो बेगम को 1978 में उनके पति ने तलाक दे दिया था। इसके बाद शाह बानो ने सर्वोच्च न्यायालय में एक आपराधिक मुकदमा दायर किया, जिसमें उन्होंने अपने पति से गुजारा भत्ता पाने का अधिकार जीता। सात साल लंबी कानूनी लड़ाई के बाद, 1985 में सर्वोच्च न्यायालय ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया। चर्चा है कि शाह बानो केस और इसी जैसे अन्य मामलों से प्रेरित एक दमदार फीचर फिल्म पर काम चल रहा है, जिसका निर्देशन सुपर्ण वर्मा कर रहे हैं। यामी गौतम और इमरान हाशमी इस फिल्म के मुख्य कलाकार हैं। चर्चा है कि इस फिल्म की शूटिंग हाल ही में लखनऊ में पूरी हुई है। यह फिल्म यामी की 'आर्टिकल 370' के बाद अगली बड़ी सिनेमाई रिलीज़ मानी जा रही है।

भारत में रिलीज नहीं होगी पाक एक्टर फवाद खान स्टारर 'अबीर गुलाल'!

नई दिल्ली/एजेन्सी

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर देश भर में आक्रोश व्याप्त है। इस बीच पाकिस्तान और पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान का भी सोशल मीडिया पर भारी विरोध देखने को मिल रहा है। खबर है कि एक्टर फवाद खान की फिल्म 'अबीर गुलाल' भारत में रिलीज नहीं होगी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सूत्रों ने ये जानकारी दी है। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी अभिनेता फवाद खान स्टारर फिल्म 'अबीर गुलाल' को भारत में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा।

पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आक्रोशित लोग सोशल मीडिया पर काफी मुखर होकर पाकिस्तानी एक्टर को बायकॉट करने की बात कर रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान सरकार ने

इस हमले में हुई जानमाल की हानि पर चिंता व्यक्त की, लेकिन इसे 'आतंकवादी कृत्य' बताने या इसकी निंदा करने से परहेज किया। पड़ोसी मुल्क की इस प्रतिक्रिया के बाद लोगों का गुस्सा पाकिस्तानी कलाकारों पर फूट पड़ा। इसी कड़ी में लोग 'अबीर गुलाल' को बैन करने की मांग कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर लिखा- ''क्या हम अभी भी भारत में पाकिस्तानी कलाकार की फिल्म 'अबीर गुलाल' को रिलीज होने देंगे?'' वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा- ''अबीर गुलाल को भारत में रिलीज नहीं होने दिया जाएगा।'' एक अन्य यूजर ने लिखा- पाकिस्तानी कलाकारों की फिल्मों को बायकॉट करिए। एक तरफ ये हमारे लोगों को मार रहे हैं और दूसरी तरफ बॉलीवुड इनके साथ फिल्में बना रहा है।'' आतंकी हमले से आक्रोशित एक यूजर ने लिखा, ऑल आइज ऑन कश्मीर। फिल्म 9 मई 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लेकिन आतंकी हमले से गुस्साए लोग उनकी फिल्म का बहिष्कार करने की अपील कर रहे हैं।

'अबीर गुलाल' एक रोमांटिक क्राॅस बॉर्डर फिल्म है। इसमें फवाद खान के साथ मुख्य भूमिका में अभिनेत्री वाणी कपूर हैं। आरती एस बागड़ी के निर्देशन में बनी 'अबीर गुलाल' में अभिनेत्री सोनी राजदान, फरीदा जलाल, लीजा हेडन और राहुल वोहरा भी अहम भूमिकाओं में हैं। यह पहली बार नहीं है, जब फवाद खान को लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ रहा है। इससे पहले वह 'ऐ दिल है मुश्किल' के रिलीज के समय भी ऐसे ही मुश्किलों का सामना कर चुके हैं। साल 2016 में 'ऐ दिल है मुश्किल' रिलीज हुई थी।

माधुरी दीक्षित के साथ फिर काम करेंगी तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी एक बार फिर माधुरी दीक्षित के साथ फिर काम करती नजर आ सकती है। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी ने अनीस बज्मी की फिल्म 'भूल भुलैया 3' में स्क्रीन स्पेस शेयर किया है। भूल भुलैया 3 के बाद तृप्ति और माधुरी एक कॉमेडी ड्रामा में फिर से साथ काम करने के लिए तैयार हैं। माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी,विक्रम मल्होत्रा के प्रोडक्शन बैनर अबुंदतिया एंटरटेनमेंट के लिए एक कॉमेडी ड्रामा में स्क्रीन स्पेस शेयर करेंगी, जिसका नाम फिलहाल 'मां बहन' बताया जा रहा है। यह एक नेटफ्लिक्स ओरिजिनल है और अगले महीने मुंबई में फ्लोर पर जाएगी। इस फिल्म का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी कर रहे हैं, जिन्हें तुम्हारी सुलु और जलसा जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। यह फिल्म एक कॉमेडी-ड्रामा है, जो तीन किरदार पर आधारित है। इस फिल्म की सबसे खास बात है इसकी कहानी, जो एक मां और बेटी के रिश्ते को लेकर है। माधुरी जहां मां के किरदार में होंगी, वहीं तृप्ति उनकी बेटी का रोल निभाएंगी। दोनों के बीच की नोक-झोंक, प्यार, तकरार और समझदारी इस फिल्म की जान होगी। चर्चा है कि इस फिल्म में रवि किशन और कॉमेडियन धारणा दुर्गा की भी अहम भूमिका होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | शुक्रवार | 25-04-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

जयगच्छाधिपति बारहवें पट्टधर आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रजी, महासती शशिप्रभाजी व जैन समणी प्रमुखा डॉ. श्रीनिधिजी के सान्निध्य में पार्श्व लब्धि तीर्थ धाम में गतिमान दस दिवसीय जयमल जैन संस्कार शिविर में सातवें दिन अपने प्रवचन में जयधुरन्धरमुनिजी ने कहा कि जीवन में त्याग का बड़ा महत्व है ।

दीक्षार्थी दिव्या भलगट के सम्मान में निकाला गया वरघोड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कृष्णराजपुरम-राममूर्तिनगर जैन संघ के तत्वावधान में संघ व कटारिया परिवार की ओर से मुमुक्षु दिव्या भलगट के सम्मान में वरघोड़ा निकाला गया। ज्ञातव्य है कि रत्न हितैषी आचार्यश्री हीराचंद्रजी और साध्वीश्री ज्ञानलताजी व सरोजश्रीजी के सान्निध्य में 5 जून को जोधपुर में दिव्या भलगट की दीक्षा होगी। बेंगलूरु में वरघोड़ा ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के पास से प्रारंभ होकर केआर पुरम मार्केट से होते हुए स्थानक भवन में पहुंचकर धर्म सभा में परिवर्तित हुआ।

महिला मंडल ने गीत के माध्यम से मुमुक्षु का सम्मान किया। आशा कटारिया ने संयमी की अनुमोदना कर अपने विचार प्रकट किए। बच्चों ने नृत्य द्वारा दीक्षार्थी की अनुमोदना की। इस मौके पर रत्न हितैषी संघ के पदाधिकारी उपस्थित थे। पत्रकार गौतम ओस्तवाल ने विचार व्यक्त किए। संघ के मंत्री रिखबचंद मेहता ने सभा का संचालन किया। इस मौके पर दीक्षार्थी के अनुमोदनार्थ अलसूर, कम्मनहल्ली, उदयनगर, राजाजीनगर, श्रीरामपुर,ऊटी आदि से श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे।

मर्यादा में रहने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है : मुनिश्री जयधुरन्धर

खुली किताब प्रतियोगिता की प्रश्न पुस्तिका का हुआ विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जयगच्छाधिपति बारहवें पट्टधर आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रजी, महासती शशिप्रभाजी व जैन समणी प्रमुखा डॉ. श्रीनिधिजी के सान्निध्य में पार्श्व लब्धि तीर्थ धाम में गतिमान दस दिवसीय जयमल जैन संस्कार शिविर में सातवें दिन अपने प्रवचन में जयधुरन्धरमुनिजी ने कहा कि जीवन में त्याग का बड़ा महत्व है । भोगों का त्याग किए बिना वैराग्य प्राप्त नहीं हो सकता। छोटे छोटे नियम ग्रहण करने से भी बहुत बड़ा लाभ प्राप्त होता है। नियम लेने से कभी घबराना नहीं चाहिए। मुनिश्री ने एक दृष्टांत के माध्यम से नियम धारण करने से होने वाले महत्व को सविस्तार प्रस्तुत करते हुए बताया कि क्रोध आने पर तुरंत कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए क्योंकि क्रोध में लिया गया निर्णय अकसर गलत ही साबित होता है । मर्यादा में रहने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है। प्रवचन के पश्चात महासती शशिप्रभाजी ने गीतिका प्रस्तुत की। इस मौके पर आचार्यश्री जयमलजी के जीवन चरित्र पर आधारित डॉ पदमचंद्रजी द्वारा लिखित जयध्वज भाग 5' पुस्तक पर आधारित राष्ट्रीय स्तरीय घर बैठे खुली किताब प्रतियोगिता की प्रश्न पुस्तिका का विमोचन चंपालाल बेताला, हुक्मीचंद लूंकड़, अरुणकुमार गोटावत, आनंदकुमार सेठिया, अजित बाघमार, प्रीति मुणोत ने किया। इसके पश्चात वैराग्य पथ के पथिक प्रतियोगिता के पुरस्कार प्रदान किए गए । बालिका वर्ग के पांच इन्द्रिय प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेता बालिकाओं को प्रदान किए गए ।

शिविर की पूर्णकालिक परीक्षा की जानकारी दी गई। अहिंसा एवं पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देने हेतु शिविरार्थियों द्वारा 26 अप्रैल को प्रातः 8 बजे फ्रीडम पार्क से अहिंसा एवं पर्यावरण सुरक्षा रैली का आयोजन होगा। श्री जयधुरंधरमुनि जी म. सा. ने मांगलिक प्रदान किया एवं कई शिविरार्थियों ने उपवास, एकासन, आयंबिल, बेला आदि के प्रत्याख्यान ग्रहण किए। जयमल जैन महिला मंडल, बेंगलूरु ने शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान की। संचालन गुड़िया घियां ने किया ।

मानवता व मानवीय मूल्यों को उजागर करता है अणुव्रतः साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी द्वारा निर्देशित अणुव्रत संगठन यात्रा का आयोजन गुरुवार को हुणसूर में विराजित साध्वी सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में हुआ। अणुविभा के उपाध्यक्ष कैलाश बोराणा ने उपस्थित जनों को अणुव्रत के सिद्धांतों के बारे में बताया। संगठन मंत्री राजेश चावत ने अणुव्रत प्रकल्प के बारे में जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर साध्वीश्री ने कहा कि अणुव्रत विश्व भारती मानवता व मानवीय मूल्यों को उजागर करने वाली संस्था है। उन्होंने सभी को अणुव्रती बनाने के लिए प्रेरणा दी। इसके साथ ही हुणसूर में अणुव्रत समिति का नवगठन किया जिसमें जतन बाबेल को अध्यक्ष व लक्ष्मीलाल बोहरा को मंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपी गई।

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए प्रस्ताव पारित किया

चामराजनगर। कर्नाटक मंत्रिमंडल ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए बृहस्पतिवार को एक प्रस्ताव पारित किया और केंद्रीय गृह मंत्रालय तथा खुफिया एजेंसियों पर इसे रोकने में विफल रहने का आरोप लगाया। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में इन खामियों की जांच का भी आह्वान किया गया।

दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 'मिनी स्विट्जरलैंड' के नाम से मशहूर प्रमुख पर्यटक स्थल बैसरन में मंगलवार को आतंकवादियों ने हमला किया था, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। मृतकों में दो पर्यटक कर्नाटक के थे। प्रस्ताव में कहा गया है, हमारी सरकार पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करती है। हम कर्नाटक के लोगों की ओर से मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। इसमें आतंकवादी हमलों को मानवता के विरुद्ध जघन्य अपराध बताया गया तथा राष्ट्र से सभी प्रकार के आतंकवाद को समाप्त करने की लड़ाई में एकजुट होने का आग्रह किया गया।

प्रस्ताव में कहा गया है, हालांकि, पुलवामा से लेकर पहलगाम तक इन जघन्य हमलों के लिए केंद्रीय गृह विभाग की विफलता जिम्मेदार है। स्थिति ऐसी है कि खुफिया विभाग को अपनी कमजोरियों और विफलताओं के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्म से सिर झुकाना पड़ रहा है। इसमें कहा गया, इसके अलावा, सैकड़ों परिवार अनाथ हो गए हैं। कर्नाटक सरकार गृह मंत्रालय की इस विफलता की कड़ी निंदा करती है।

श्रेयांश पारणा समिति की भोजन समिति ने किया कार्यों का विक्रेन्द्रीकरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्रेयांस पारणा समिति द्वारा आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी व डॉ. पदमचंद्रमुनिजी, साध्वीगण, समणीवृंद के सान्निध्य में अक्षय तृतीया के अवसर पर 30 अप्रैल को पैलेस ग्राउंड्स स्थित त्रिपुरावासिनी सभागार में आयोजित वर्षीतप आराधकों के पारणा महोत्सव की व्यवस्थाओं हेतु सभा संपन्न हुई। महोत्सव में बाहर गांव से भी 100 तपस्वियों, स्थानीय 160 तपस्वी एवं हजारों श्रद्धालुओं के आगमन के मद्देनजर उनकी भोजन व्यवस्था के लिए भोजन समिति ने गांधीनगर स्थित एक होटल में बैठक की। पदमराज रातड़िया ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भोजन समिति पारणा महोत्सव की भोजन की व्यवस्था देख रही है जो कि इस आयोजन की सबसे महत्त्वपूर्ण व्यवस्था होगी। महेंद्र चौरड़िया ने भोजन समिति के कार्य के बारे में विस्तृत जानकारी दी। सुरेश तातेड़ ने उपस्थित सदस्यों को कार्य का वितरण करते हुए पूरी जिम्मेदारी से कार्य करने का आह्वान किया। सभा में महेंद्र सोलंकी, तरुण कटारिया, महेंद्र भण्डारी, मूलचंद श्रीश्रीमाल, सुमत सुराणा, प्रकाश टोडरवाल, नितेश पगारिया, प्रकाश कुंकुलोल, शांतिलाल कटारिया, राकेश बाफणा, प्रदीप लुंकड़, गौतम पुनमिया ने विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डाला जिससे कार्य को सरल एवं सुगम रूप से किया जा सके। रोशनलाल नाहर ने सभी को धन्यवाद दिया ।

अन्नदान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

डॉ शिवराजकुमार डॉ पुनीत राजकुमार युवक संघ द्वारा बेंगलूरु के वीरेश थियेटर के निकट फिल्म अभिनेता डॉ राजकुमार के 97 वें जन्म दिवस के उपलक्ष्य में गुणानुवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने डॉ राजकुमार की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके कर्नाटक सिनेमा जगत में उनके योगदान को याद किया। इस मौके पर आयोजित अन्नदान कार्यक्रम में मुणोत व अन्य अतिथियों ने अपने हाथों से सेवा की।

प्रदर्शन

कलबुर्गी में गुरुवार को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के विरोध में प्रदर्शन करते हुए हिन्दु जागृति सेना के सदस्यगण।

जेवाईएस ने सामायिक दिवस पर साधु साध्वियों से शामिल होने का किया निवेदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन युवा संगठन (जेवाईएस) के तत्वावधान में 8 मई को चतुर्विध संघ स्थापना दिवस को सामायिक दिवस के रूप में मागड़ी रोड स्थित पुष्कर भवन में आयोजित किया जा रहा है। संगठन के अध्यक्ष महावीर मुणोत, समन्वय समिति चेयरमैन के नेतृत्व में उपाध्यक्ष उपाध्यक्ष मुकेश सुराणा, मंत्री नीरज कटारिया, कोषाध्यक्ष संतोष डुंगरवाल सहित अनेक सदस्यों ने श्रीरामपुरम जैन स्थानक में विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तिनी दर्शनप्रभाजी की शिष्या मेघाश्रीजी, राजाजीनगर स्थानक में विराजित नानेश पट्टधर आचार्यश्री रामलालजी की आज्ञानुवर्तिनी साध्वी स्वागतश्रीजी, आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वी पावनप्रभाजी, संयमलताजी, पुण्ययशाजी, आचार्यश्री रामलालजी के आज्ञानुवर्ती श्री विदेहमुनिजी आदि के दर्शन कर आगामी सामायिक दिवस में शामिल होने का निवेदन किया।

कन्नड़ फिल्म उद्योग में डॉ. राजकुमार का योगदान अतुलनीय है : जगदीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु शहर के उपायुक्त जी. जगदीश ने कहा कि कर्नाटक रत्न और कन्नड़ सार्वभौम की उपाधि से सम्मानित डॉ. राजकुमार ने कन्नड़ फिल्म उद्योग में बहुत बड़ा योगदान दिया। गुरुवार को बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के ज्ञानज्योति ऑडिटोरियम के सेमिनार हॉल में जिला प्रशासन, जिला पंचायत, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बेंगलूरु सिटी जिला और बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में डॉ. राजकुमार का 97वां जन्मदिन समारोह मनाया गया। उन्होंने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की, कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

उन्होंने इस मौके पर कहा कि उस समय कन्नड़ कला और साहित्य को प्रसिद्धि दिलाने का श्रेय डॉ. राज को श्रेय दिया जाता है। भारतीय फिल्म उद्योग में कई अभिनेता आए और चले गए। लेकिन, डॉ. राजकुमार ने ऐसी कोई भूमिका नहीं निभाई है। किसी और को इतनी विविध भूमिकाएं नहीं मिली हैं। उन्होंने पौराणिक और ऐतिहासिक पात्रों को जीवंत कर दिया है। उन्होंने अपनी सादगी और शान से कन्नड़ लोगों का दिल जीत लिया है, तथा उनका अभिनय अद्भुत है जो किसी भी भूमिका को मूल्यवान बनाता है। डॉ. राज ने गोकाक आंदोलन में भाग लेकर कन्नड़ भाषी लोगों का भाषाई गौरव बढ़ाया है।

डॉ. राजकुमार को उनके प्रशंसक बहुत

पसंद करते हैं और उन्हें 'प्रशंसक देवता' कहते हैं। डॉ. जिन्होंने अपनी फिल्मों के माध्यम से समाज की बुराइयों को सुधारने के लिए कड़ी मेहनत की। राज. उन्होंने कहा कि जब भूमि और जल की अखंडता को खतरा था तब उन्होंने लड़ाई का नेतृत्व किया था।

इस अवसर पर उन्होंने सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, बेंगलूरु शहर जिला कार्यालय द्वारा प्रकाशित पंच गारंटी योजनाओं की सफलता की कहानियों की पुस्तिका का विमोचन किया तथा गारंटी के बारे में चिंता जताने वालों और इससे लाभान्वित होने वालों से अपने बेहतर जीवन स्तर के बारे में खुलकर और निडरता से बोलने का आह्वान किया। आर्थिक समानता तभी संभव है जब समाज के सबसे गरीब व्यक्ति को भी भोजन, वस्त्र और आश्रय उपलब्ध कराया जाए। लाभार्थियों के पास गारंटी के पक्ष में बोलने के लिए कोई आवाज नहीं है। यह आरोप सत्य नहीं है कि गारंटियां अर्थव्यवस्था को बर्बाद कर रही हैं। भूखे और नंगे लोग कठिनाई को जानते हैं। समाज में आर्थिक असमानता बहुत है और राज्य सरकार की पांच गारंटी योजनाएं इसे खत्म करने में लाभकारी रही हैं। उन्होंने कहा कि ये आर्थिक समानता प्राप्त करने के लिए अनुकूल हैं।

बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के कुलपति जलजा के.आर. उन्होंने अध्यक्षता की और भाषण दिया। उन्होंने छात्रों से कहा कि डॉ. राजकुमार देश के सांस्कृतिक राजदूत थे। उनके आदर्श गुण युवा पीढ़ी के लिए एक आदर्श के रूप में काम करते हैं। युवाओं को केवल वही समझना चाहिए जिसकी आवश्यकता है। कार्यक्रम में बोलते हुए, बेंगलूरु सिटी यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार जावरेगौड़ा टी ने कहा, डॉ. राजकुमार का नाम न सुनने वाला कोई कन्नड़ नहीं है। जब तक कन्नड़ भूमि और भाषा मौजूद है, डॉ. राजकुमार का नाम हमेशा अमर रहेगा। वे सबसे आगे थे और देश की भूमि, जल और भाषा के लिए लड़े। उन्होंने कहा कि सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलकर उनके आदर्श गुणों को अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ. एसजेआर पब्लिक स्कूल, राजाजीनगर में, युवाओं में योग अभ्यास के लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए विभिन्न योग आसनों का प्रदर्शन किया गया, जिसे राजकुमार ने अपने जीवन में शामिल कर लिया था।

जोगिला सिद्धाराजू के सम्भ्रामा कला समूह का प्रतिनिधित्व डॉ. राजकुमार ने किया तथा अपने लोकप्रिय फिल्मी गीतों से छात्रों और दर्शकों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग की उपनिदेशक पल्लवी होन्नापुरा, महिला एवं बाल कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ. सिद्धरामण्णा, युवा निधि योजना के समन्वयक जगन्नाथ, पर्यटन विभाग के उपनिदेशक चेलुवाम्बे तथा विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने दी अंतिम सलामी

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विजयेन्द्र येडीयुरप्पा ने पहलगांव में आतंकवादी हमले में मारे गए कर्नाटक के भारत भूषण के पार्थिव शरीर के दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, सांसद पीसी मोहन, राजराजेश्वरी नगर निर्वाचन क्षेत्र के विधायक मुनिरत्न और कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com